RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शुक्रवार , 19 जून 2026 | वर्ष: 04, अंक: 91 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तकनीक का फायदा सभी को मिलना चाहिए: प्रधानमंत्री मोदी

भारत के लिए एआई का मतलब सबका साथ (ऑल इनक्लूसिव) है, एआई कंट्री पार्टनर के तौर पर हमारी भागीदारी इसी सोच को दिखाती है: मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत का मानना है कि बदलाव के इस दौर में टेक्नोलॉजी का फायदा सभी को मिलना चाहिए। उन्होंने एआई का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे लोगों की जिंदगी बेहतर होनी चाहिए, पहुँच बढ़नी चाहिए, विकास को बढ़ावा मिलना चाहिए और हमें एक स्वस्थ ग्रह बनाए रखने में भी मदद मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने आज पेरिस में वीवाटेक-2026 में हिस्सा लिया और कहा कि भारत के लिए एआई का मतलब सबका साथ (ऑल इनक्लूसिव) है। एआई कंट्री पार्टनर के तौर पर हमारी भागीदारी इसी सोच को दिखाती है। टेक सम्मेलन में पिछली और मौजूदा भागीदारी के हालात की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय दुनिया कोविड-19 के संकट का सामना कर रही थी। आज दुनिया अलग तरह के बदलावों का अनुभव कर रही है। उन्होंने वीवा टेक-2021 के संदेश को दोहराया कि जहाँ पारंपरिक तरीके काम नहीं आते, वहाँ इनोवेशन मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने 2026 को भारत और यूरोप के लिए एक खास साल बताया। उन्होंने कहा कि साल की शुरूआत ऐतिहासिक भारत-ईयू (यूरोपीय संघ) मुक्त व्यापार समझौते के साथ हुई। यह समझौता हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा और टैलेंट, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म के आदान-प्रदान के लिए कई रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि इस साल भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर की शुरूआत के साथ फ्रांस एक अहम पुल का काम कर रहा है। यह भारत और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब ला रहा है। प्रधानमंत्री ने पिछले दशक में भारत की तकनीकी यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है।

'अब आप फ्रांस में भी एफिल टॉवर पर यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं'

पीएम ने कहा कि अब आप फ्रांस में भी एफिल टॉवर या पेरिस एयरपोर्ट पर यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पहचान सिस्टम को बनाने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म तक।
हमारे यूपीआई की वजह से डिजिटल पेमेंट को देखें; आज दुनिया के आधे रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में होते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष तकनीक से लेकर नाभिकीय ऊर्जा तक, हम इंसानी क्षमता की सीमाओं का विस्तार कर रहे हैं। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बना और हाल ही में भारत के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकैलिटी हासिल की।
इसने हमें हमारे तीन-चरण वाले न्यूक्लियर विजन को साकार करने के करीब पहुँचाया है, जिसमें हमारे विशाल थोरियम भंडार का इस्तेमाल भी शामिल है।

फ्रांस भारत और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब ला रहा

पीएम ने कहा कि साल की शुरूआत ऐतिहासिक भारत-ईयू (यूरोपीय संघ) मुक्त व्यापार समझौते के साथ हुई। यह समझौता हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा और टैलेंट, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म के आदान-प्रदान के लिए कई रास्ते खोलेगा। पीएम ने कहा कि इस साल भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर की शुरूआत के साथ फ्रांस एक अहम पुल का काम कर रहा है। यह भारत और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब ला रहा है।

प्रधानमंत्री ने पिछले दशक में भारत की तकनीकी यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है।

समझौते के साथ हुई। यह समझौता हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा और टैलेंट, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म के आदान-प्रदान के लिए कई रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि इस साल भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर की शुरूआत के साथ फ्रांस एक अहम पुल का काम कर रहा है। यह भारत और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब ला रहा है। प्रधानमंत्री ने पिछले दशक में भारत की तकनीकी यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है।

फ्रांस में प्रमुख उद्योगपतियों से मिले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस यात्रा के दौरान गुरुवार को कई प्रमुख वैश्विक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और भारत में निवेश के अवसरों तथा कारोबार विस्तार की योजनाओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने निर्माण सामग्री क्षेत्र की अग्रणी कंपनी सेंट-गोबेन के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बेनोइट बाजिन से मुलाकात की। बातचीत में निर्माण सामग्री और अवसंरचना क्षेत्र में अवसरों, विशेषकर टिकाऊ विकास से जुड़े पहलुओं पर चर्चा हुई। मोदी ने भारत में सेंट-गोबेन की मजबूत उपस्थिति और निवेश की सराहना करते हुए कहा कि इससे भारतीय युवाओं के लिए रोजगार और अवसरों का सृजन हो रहा है। बाजिन ने भारत में कंपनी के निवेश और विस्तार की भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी।
प्रधानमंत्री ने रेल परिवहन और गतिशीलता क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एल्सटॉम के सीईओ मार्टिन सियोन से भी मुलाकात की। इस दौरान रेलवे आधुनिकीकरण और मोबिलिटी क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

युवाओं के लिए रोजगार और अवसरों का सृजन हो रहा : पीएम

मोदी ने भारत में एल्सटॉम के निवेश और विनिर्माण गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि इससे रोजगार सृजन के साथ-साथ भारतीय रेल क्षेत्र के विकास को भी गति मिली है। सियोन ने भारत में कंपनी के विस्तार और अतिरिक्त निवेश की योजनाओं से अवगत कराया। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षेत्र की अग्रणी कंपनी मिस्ट्राल एआई के सह-संस्थापक और सीईओ आर्थर मेंश से भी मुलाकात की। मोदी ने भारत के तेजी से विकसित हो रहे एआई पारिस्थितिकी तंत्र में उपलब्ध अवसरों को रेखांकित किया। आर्थर मेंश ने भारत के साथ सहयोग और भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी कर नवाचार को बढ़ावा देने तथा एआई क्षमताओं के विस्तार में गहरी रुचि व्यक्त की। मोदी ने भारत में सेंट-गोबेन की मजबूत उपस्थिति और निवेश की सराहना करते हुए कहा कि इससे भारतीय युवाओं के लिए रोजगार और अवसरों का सृजन हो रहा है।

डील फाइनल: अमेरिका-ईरान समझौते पर डोनाल्ड ट्रंप और पेजेशकियन ने किए हस्ताक्षर

पेरिस (फ्रांस)/एजेंसी
मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) में तनाव कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते के मसौदे पर प्रारंभिक सहमति बन गई है। मसौदे में सैन्य गतिविधियों को रोकने, समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, आर्थिक प्रतिबंधों में राहत, ईरान के पुनर्निर्माण में सहयोग और परमाणु कार्यक्रम पर निगरानी जैसे कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हैं। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बुधवार शाम फ्रांस के वर्साय पैलेस में आयोजित रात्रिभोज के दौरान अमेरिका-ईरान समझौते के मसौदे पर आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस और फॉक्स न्यूज ने अपने एक्स हैंडल पर सबसे पहले इसकी पुष्टि की। इसके बाद यह खबर दुनिया में आग की तरह फैल गई। ईरान के प्रेस टीवी, गल्फ न्यूज, अल जजीरा, सीएनएन, टाइम पत्रिका और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने, प्रतिबंधों में राहत, परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत और 60 दिन के भीतर अंतिम समझौते की दिशा में कदम शामिल हैं।

कृषि केवल जीविका का साधन नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के पोषण का मूल आधार है- धर्मराज मौर्य

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। नगर पालिका परिषद मंझनपुर सभागार में प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रसेवा को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित प्राकृतिक खेती समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के तहत प्राकृतिक खेती की कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने कृषि विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का फीता काट शुभारंभ कर संबोधित किया।
जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने खेती बचाओ अभियान की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे किसान भाई-बहन देश की अन्न सुरक्षा,पोषण और समृद्धि के आधार स्तंभ हैं। उनके जीवन को अधिक से अधिक आसान बनाने के लिए हमारी सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। प्रधानमंत्री-किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना जैसी कई पहल उनकी आय की सुरक्षा के साथ-साथ खेती को अधिक सशक्त बना रही हैं। प्रधानमंत्री-कुसुम योजना से जहां खेती के लिए उन्हें सौर ऊर्जा सुलभ हुई है,वहीं इससे खेती पर होने वाला खर्च भी कम हुआ है।पहले किसान प्राकृतिक आपदाओं,महंगे कृषि संसाधनों और बाजार की अनिश्चितताओं से जूझता था,लेकिन आज प्रधानमंत्री

किसान सम्मान निधि,फसल बीमा योजना,किसान क्रेडिट कार्ड,मृदा स्वास्थ्य कार्ड और सिंचाई योजनाओं ने किसानों को नई शक्ति और सुरक्षा प्रदान की है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि कर किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित किया है।इस अभियान का सबसे बड़ा और मुख्य उद्देश्य मिट्टी की घटती उपजाऊ शक्ति को बचाना और खेती में लगने वाली भारी-भरकम लागत को कम करना है आज के समय में ज्यादा पैदावार के चक्कर में खेतों में यूरिया और अन्य रासायनिक खादों का इस्तेमाल जरूरत से ज्यादा होने लगा है. इससे जमीन के अंदर मौजूद फायदेमंद मित्र कीट और बैक्टीरिया खत्म हो रहे हैं।कार्यशाला में किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व,उसके बहुआयामी लाभों तथा कम लागत में अधिक उत्पादन की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्राकृतिक खेती न केवल मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है,बल्कि पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय वृद्धि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस मौके पर कार्यक्रम के संचालक व जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा योगेंद्र सिंह,जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर,निवर्तमान विधायक मंझनपुर लाल बहादुर,संजय गुप्ता,नगर पालिका अध्यक्ष मंझनपुर बीरेंद्र सरोज फौजी,कविता पासी,जिला उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार शीलू पाण्डेय,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लवकुश मौर्य,डीसीएफ चेयरमैन चंद्रदत्त शुक्ल सहित सम्मानित पदाधिकारीगण,जनप्रतिनिधिगण,किसान भाई उपस्थित रहें।

राधानगर पुलिस द्वारा नाबालिग के अपहरण का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना राधानगर पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट एवं 3(2)(५), 3(2)(५) एससी/एसटी एक्ट थाना राधानगर जनपद फतेहपुर से संबंधित वांछित अभियुक्त नीरज पाल पुत्र श्यामलाल पाल निवासी ग्राम बडनपुर थाना राधानगर जनपद फतेहपुर, उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान 'मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरण' के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया ।

गुरुवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cyber-crime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

मिशन शक्ति टीम ने जनपद कौशाम्बी में व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जनपद कौशाम्बी में गुरुवार को मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत *पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के कुशल निर्देशन में विभिन्न थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया।

इस दौरान बालिकाओं/महिलाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों, साक्षरता, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर अपराध से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया।
अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की गई– 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन एवं 181 महिला हेल्पलाइन।
साथ ही महिला हेल्पडेस्क, एंटीरोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं थाना सीयूजी नंबरों की जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया गया।

गैर-इरादतन हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। थाना हथगाँव पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या के अभियोग में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हथगाँव पुलिस लगातार वांछित अभियुक्तों की तलाश में जुटी हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गैर-इरादतन हत्या के एक मामले में नामजद अभियुक्त घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस टीम को उसके संबंध में मुखबिर से सूचना मिली, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे थाना क्षेत्र के एक स्थान से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अभियुक्त सुशील गुप्ता पुत्र जवाहर लाल गुप्ता उम्र

निवासी ग्राम नवाबगंज छिवलहा थाना हथगांव जनपद फतेहपुर से आवश्यक पूछताछ की तथा विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया।
पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है और उसकी गिरफ्तारी लंबे समय से पुलिस की प्राथमिकता में थी। पुलिस टीम की सक्रियता और सतर्कता के चलते उसे दबोचने में सफलता मिली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियुक्त ने पूछताछ के दौरान उसने बताया कि दिनांक 23 मई को मुन्नीलाल गुप्ता जो वादिनी मुकदमा के पिता के बडे भाई है कि जमीन पर नींव खोदने की बात को लेकर मृतक कृष्ण कुमार गुप्ता एवं उसके भाई से बहस करते हुए धक्का मुक्की व मारपीट हुई थी, जिससे वादिनी के पिता कृष्ण कुमार गुप्ता की सदमे से मृत्यु हो गयी थी। इस गिरफ्तारी को लेकर क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की है। पुलिस ने आमजन से अपराध संबंधी सूचनाएं साझा करने की अपील भी की है, ताकि अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

सराय अकिल पुलिस द्वारा जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । तीन दिन पहले को थाना सराय अकिल पर वादी शशी कान्त मिश्र पुत्र स्व0 कमलाकान्त मिश्र निवासी जुगराजपुर थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी मेरे परिवार में शंकर जी का भण्डारा था खाना खाने के दौरान विपक्षी चन्द्रकान्त मिश्र द्वारा खाना परोसने को लेकर विवाद हो गया, जिसपर मेरी मां बचाने आयी तो चन्द्रकान्त द्वारा जान से मारने की नीयत से मेरी मां के सिर पर लाठी से हमला कर दिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी तथा चन्द्रकान्त व उसके साथी जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये ।

थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त चन्द्रकान्त मिश्रा पुत्र स्व0 हीरामणि निवासी जुगराजपुर थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को झरियापुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया । घटना में प्रयुक्त एक अदद डण्डा बरामद किया गया ।

एसपी द्वारा की गई जनसुनवाई, शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा पुलिस कार्यालय में आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों के संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कर आमजन को त्वरित राहत प्रदान की जाए।

थाना चौराहा से रेलवे क्रॉसिंग तक चला ध्वस्तीकरण अभियान

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर! स्योहारा नगर के स्योहारा-नूरपुर मार्ग पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का रास्ता साफ करने के लिए रेलवे क्रॉसिंग के दोनों ओर ध्वस्तीकरण अभियान शुरू कर दिया गया है। गुरुवार को लोक निर्माण विभाग नगर पालिका परिषद स्योहारा और प्रशासन की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सड़क चौड़ीकरण के लिए जेसीबी मशीनों से कार्रवाई की।
जानकारी के अनुसार थाना चौराहा से रेलवे क्रॉसिंग तक सड़क के दोनों ओर केंद्र बिंदु से लगभग 10 मीटर क्षेत्र में आने वाले निमार्णों को हटाने का कार्य किया जा रहा है। रेलवे ओवरब्रिज निर्माण परियोजना के तहत सड़क चौड़ीकरण और पहुंच मार्ग तैयार करने

के लिए यह कार्रवाई की जा रही है।
एक ओर जहां नगरवासियों को उम्मीद है कि रेलवे ओवरब्रिज बनने से वर्षों पुरानी जाम की समस्या से राहत मिलेगी और यातायात सुगम होगा, वहीं दूसरी ओर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई ने सैकड़ों परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। सड़क किनारे स्थित अनेक दुकानों और प्रतिष्ठानों के हटने से कई व्यापारियों का रोजगार प्रभावित हुआ है।
पीड़ित दुकानदारों का कहना है कि विकास कार्यों का वे विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन को उनके पुनर्वास और उचित मुआवजे की व्यवस्था भी करनी चाहिए। उनका कहना है कि वर्षों से व्यापार कर अपने परिवार का पालन-पोषण करने वाले लोग अचानक बेरोजगारी की स्थिति में पहुंच गए हैं। कई दुकानदारों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है।
ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए। नगर पालिका, पीडब्ल्यूडी और पुलिस विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन का कहना है कि रेलवे ओवरब्रिज निर्माण परियोजना नगर के विकास के लिए महत्वपूर्ण है और निर्धारित मानकों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।
अब लोगों की नजर इस बात पर है कि विकास की इस बड़ी परियोजना के साथ प्रभावित परिवारों को राहत और पुनर्वास के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

डीएम एसएसपी द्वारा ने आगामी पर्व मोहर्रम के दृष्टिगत सभी धर्मो के धर्मगुरुओं व वरिष्ठ नागरिको के साथ की गयी पीस कमेटी की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा जिला पंचायत सभागार में आगामी पर्व मोहर्रम के दृष्टिगत सभी धर्मों के धर्मगुरुओं व वरिष्ठ नागरिकों एवं संभ्रान्त नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गयी। महोदय द्वारा बैठक मे उपस्थित सभी लोगो से मिलजुल कर रहने तथा त्यौहारो को शान्तिपूर्ण रुप से मनाने एवं आपसी सौहार्द व भाईचारा बनाये रखने की अपील की गयी जिस पर गोष्ठी मे मौजूद सभी वर्गो के संभ्रान्त लोगो द्वारा मिल जुलकर रहने व शान्ति बनाये रखने का आश्वासन दिया गया। साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व/बाहरी व्यक्ति आन्तरिक मामलो मे दखल देकर आपसी सौहार्द व भाई चारा बिगाडने का प्रयास करता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दे, उसके विरुद्ध कानून कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन सहित सभी क्षेत्राधिकारीगण एवं सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

शादी का झासा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पांच दिन पहले थाना सराय अकिल पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त सचिन कुमार उनकी नाबालिग लड़की के साथ शादी का झासा देकर दुष्कर्म किया गया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सराय अकिल में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त क्रम में गुरुवार को थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सचिन कुमार पुत्र राम सिंह निवासी मुस्तफाबाद थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को बिरनेर मोड़ नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया है ।

महारानी लक्ष्मी बाई का बलिदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा - मुरार जी त्रिपाठी

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। 'स्वदेश की रक्षा के लिए महारानी लक्ष्मीबाई का उत्कृष्ट बलिदान अन्याय और अत्याचार के खिलाफ युवा पीढ़ी को संघर्ष की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने सुविधा नहीं संघर्ष का रास्ता चुना। अमर बलिदानी वीरांगना ने कहा था - हम लड़ेंगे ताकि आने वाली पीढ़ियाँ आजादी की सांस ले सके। उनकी संघर्ष गाथा यह बताती है कि देश का इतिहास पराजय का नहीं बल्कि संघर्षों का रहा है। ग्वालियर में उनके साथ गद्दारी न हुई होती तो देश का इतिहास कुछ दूसरा ही होता।'
यह विचार पूर्व प्राचार्य डा० मुरार जी त्रिपाठी ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान- दिवस पर अलोपीबाग स्थित महाराष्ट्र लोक सेवक मण्डल में आयोजित गोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। डा० त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे कम उदाहरण होंगे, जिसमें कोई मां अपने अबोध बच्चे के साथ रणभूमि में संघर्षरत हुई हो। उनके अप्रतिम शौर्य के सन्दर्भ में श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान की पंक्तियाँ बहुत प्रासंगिक हैं-'बढ़ जाता मान वीर का रण में बलि होने से, मूल्यवती होती सोने की यथा भस्म सोने से।'
गोष्ठी का प्रारम्भ संघ के सेवा प्रमुख विभूति द्विवेदी के स्वागत उद्बोधन से हुआ। श्री द्विवेदी ने उन्हें शक्ति-स्वरूपा वीरांगना के

रूप में याद किया। देश के 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में जिस तरह खुलकर तत्कालीन शासन का विरोध किया, वह सदैव याद किया जाएगा। श्री त्रिपाठी ने कहा कि ग्वालियर के पास फूलबाग स्थित उनका समाधि-स्थल हर भारतीय के लिए प्रेरणा का केन्द्र है, वहीं संघर्ष करते हुए वे 18 जून 1858 में शहीद हुई थीं। मुझे उस प्रेरणाप्रद स्थान पर शीश नवाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।
कृष्ण कुमार मिश्र ने कहा, आज का दिन भारत की मातृ-शक्ति के अप्रतिम योगदान के स्मरण-वन्दन का दिन है। घर के आंगन से निकलकर और सर्वथा विपरीत परिस्थितियों का बखूबी सामना करते हुए न केवल अपने राज्य के शासन की बागडोर संभाली, अपितु रणभूमि में भी अपने अपूर्व शौर्य का प्रदर्शन कर विरोधियों को भी हतप्रभ कर दिया था।
संयोजक व्रतशील शर्मा ने कहा कि जिन कुछ लोगों का चरित भारत के घर-घर में पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुना-सुनाया जाता आ रहा है, उनमें एक यशस्वी नाम वीरांगना लक्ष्मीबाई जी का भी है। वे चाहतीं, तो वैभव-विलास का जीवन जीतीं, लेकिन उनके व्यक्तित्व में समाहित स्व-स्वदेश- स्वातंत्र्य- स्वाभिमान के प्रति अटूट निष्ठा ने उन्हें संघर्ष के पथ को चुनने की प्रेरणा दी। इसी के चलते राजसी वैभव की जगह वे अस्त्र-शस्त्र लेकर घोड़े पर सवार होकर परतंत्रता की बेड़ियों को काटने-तोड़ने के लिए संघर्ष के पथ का अनुसरण किया और बलिदान देकर अमर हो गईं।
आभार ज्ञापित करते हुए मनोज सप्रे ने कहा कि जन-जन जिनको नित्य 'खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी' के रूप में याद करता है, वे अकेली रानी थीं, जिन्होंने अंग्रेजों को ललकार कर कहा था-मैं अपनी झांसी नहीं दूँगी।
इस अवसर पर धर्मेन्द्र कुमार चौबे, रवीन्द्र मिश्र, प्रवीण कुमार तिवारी, मातेश्वर शुक्ल, अनिल कनौजिया, विकास तिवारी सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे ।

उद्योग व्यापार बंधु के साथ डीएम एसएसपी ने की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । डीएम कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जनपद के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों, उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक इकाइयों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। महोदय द्वारा जिला अस्पताल के बाहर ई-रिक्शा से जाम की स्थिती उत्पन्न होने के सम्बन्ध में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने एवं आवश्यक कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिए गए।। इसके साथ ही साइबर अपराध, धोखाधड़ी एवं औद्योगिक सुरक्षा से संबंधित विषयों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन नीतीश कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट संजय सिंह सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बालू माफियाओ ने खोद दिया मौत के गड्ढे दो मासूम बच्चों की मौत

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के नेवादा गांव में बालू माफियाओं द्वारा खोदे गए गड्ढे में पानी भर जाने के बाद गुरुवार को दो मासूम बच्चे डूब गए जिससे दोनों मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई है मौत की जानकारी मिलते ही धर परिवार में कोहराम मच गया है दो बच्चों की मौत की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर सैकड़ो लोग पहुंच गया है बालू माफियाओं की इस करतूत के बाद पूरे गांव में आक्रोश व्याप्त है और लोग आवाज बुलंद कर रहे हैं सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने दोनों बच्चों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है लेकिन गड्ढा खोदने वाले बालू माफियाओ पर खबर लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज करके उनकी गिरफ्तारी पुलिस ने नहीं की है यदि समय रहते गड्ढे खोदने पर खनन विभाग और राजस्व विभाग ने रोक लगा दिया होता तो शायद दो मासूम बच्चों की मौत ना होती आखिर गलत तरीके से बालू भंडारण करने के लिए खोदे गए गड्ढे में दो मासूम बच्चों की मौत के बाद इन अधिकारियों की क्या जवाब देही होगी आम जनता सवाल पूछ रही है।

जानकारी के मुताबिक सराय अकिल थाना क्षेत्र के नेवादा गांव के रहने वाले दीपांशु उम्र लगभग 10 वर्ष पुत्र राजेश पासी और आदित्य उम्र लगभग 6 वर्ष पुत्र राकेश गुरुवार को खेल रहे थे इसी दौरान दोनों बच्चे पानी भरे गड्ढे में चले गए जिससे दोनों बच्चे पानी में डूब गए और उनकी तड़प तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई है दो बच्चों की मौत की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में आक्रोश फैल गया घटना स्थल पर सैकड़ो लोग पहुंच गए दोनों बच्चों को गड्ढे से बाहर निकाला गया मामले की सूचना मिलते ही भारी पुलिस फोर्स घटनास्थल पर पहुंची और दोनों बच्चों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है लेकिन दो बच्चों की मौत के बाद बड़े सवाल खड़े हो गए हैं कि आखिर किसके आदेश से बालू भंडारण के लिए अवैध तरीके से गड्ढे खोदे गए थे जो मौत का कारण बन गए हैं क्या इन बालू माफियाओं के पास गड्ढा खोदने का परमिशन अधिकारियों से मिला था या फिर बिना परमिशन लिए बालू भंडारण के लिए बालू माफियाओ ने गड्ढे खोद दिए हैं यह तमाम सवाल बड़ी जांच का विषय है आक्रोशित लोग बालू माफियाओं पर मुकदमा दर्ज करने उनकी गिरफ्तारी करने की मांग कर रहे हैं लेकिन खबर लिखे जाने तक बालू माफियाओं पर मुकदमा नहीं दर्ज हुआ उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सीएम डैशबोर्ड एवं विकास कार्यो की समीक्षा बैठक

डीएम ने सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की खराब रैंकिंग पर जतायी नाराजगी

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की गयी। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग में अप्रैल माह (42वीं) के बाद मई माह में (47वीं) गिरावट होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा अधिकारियों को अपने-अपने विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए रैंकिंग में सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। जननी सुरक्षा योजना में भुगतान समय पर सुनिश्चित न होने पर मुख्य चिकित्साधिकारी से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने तथा भुगतान की कार्यवाही को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री आवास योजना में सी रैंकिंग व नये लक्ष्य के आवासों की स्वीकृति न होने पर परियोजना निदेशक को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने जिन विभागों के मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर बी, सी व डी रैंकिंग है, ऐसे विभागों के सम्बंधित अधिकारियों को खराब रैंकिंग होने का स्पष्टीकरण एवं रैंकिंग में सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने विभाग की सभी योजनाओं की नियमित समीक्षा करें तथा जिन कार्यों में उनके स्तर से कार्यवाही अपेक्षित है, उनकी समीक्षा कराये जाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सी रैंकिंग होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कहा कि कोई भी कार्य समय सीमा के पश्चात लम्बित न रहे। उन्होंने कहा कि जो कार्य समय सीमा के अन्तर्गत है, उन्हें गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण किया जाये तथा जिन परियोजनाओं में समय के विस्तार की आवश्यकता है, उनका उचित कारण देते हुए समयसीमा का विस्तार कराये जाने एवं ऐसी परियोजनाओं जिसमें अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता है, उसके लिए डिमांड भेजे जाने और ऐसी परियोजनाओं जिन्हें पूर्ण नहीं कराया जा सकता है, उन्हें डैशबोर्ड से हटाये जाने के लिए

आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर सी व डी रैंकिंग वाले विभागों की प्रतिदिन मानीटरिंग कराने के लिए कहा है। उन्होंने 50 करोड़ से अधिक लागत वाली परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा करते हुए परियोजनाओं की मानीटरिंग हेतु लगाए गए नोडल अधिकारियों को कार्य प्रगति की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट इसी सप्ताह उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए है। बैठक में जिलाधिकारी ने समय-सीमा के पश्चात विद्युत बिल सुधार से सम्बंधित 99 प्रकरणों के लम्बित होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा सम्बंधित के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री आवास योजना के प्रगति की समीक्षा करते हुए सीएम डैशबोर्ड की सी रैंकिंग को ए श्रेणी में लाए जाने तथा आवासों की स्वीकृति को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने तथा प्राप्त हुए नए लक्ष्य की भी स्वीकृति कराए जाने तथा आपदा से प्रभावित परिवारों को बिना विलम्ब शत-प्रतिशत संतृप्त किए जाने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा करते हुए मात्र 22 प्रतिशत ही भुगतान होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा शेष भुगतान को जल्द से जल्द कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से संस्थागत प्रसव बढ़ाये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए पीएम सूर्यघर योजना में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किये जाने के निर्देश सम्बंधित विभाग को दिए है। उन्होंने अल्पसंख्यक कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं समाज कल्याण विभाग की दशमोत्तर छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति योजना, पूर्व दशम छात्रवृत्ति (कक्षा-9 एवं 10), अनुसूचित जाति दशमोत्तर एवं पूर्वदशम, जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के संबंध में सभी प्रकार की कार्यवाही निर्धारित समयावधि में योजना बनाकर करने हेतु निर्देशित किया गया।फैमिली आईडी बनाये जाने के कार्य में डीसी मनरेगा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व उप श्रमायुक्त को अभियान चलाकर फैमिली आईडी बनाये जाने तथा जून माह में लक्ष्य का 80 प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने अंश संशोधन व अंश निर्धारण के कार्य की समीक्षा करते हुए राजस्व से सम्बंधित विषयों की सीएम डैशबोर्ड पर रैंकिंग में सुधार लाए जाने के निर्देश दिए है। विभागों के निम्न श्रेणी का प्रदर्शन करने वाली योजनाओं में उनके निम्न श्रेणी होने के कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और सभी को चेतावनी देते हुए श्रेणी में सुधार लाने और अगले माह उन्हें ए श्रेणी में लाये जाने के निर्देश दिए। सांसद विकास निधि एवं पूर्वांचल विकास निधि के सभी कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 एके तिवारी, अपर जिलाधिकारी नजूल संजय पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी जीपी कुशवाहा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मूंग लदा ट्रक पलटा, चालक-खलासी घायल, 10 बोरी मूंग गायब

सबसे तेज प्रयागराज
थरवई। थाना क्षेत्र के बेरुई गांव के सामने गुरुवार भोर करीब 2:30 बजे नेशनल हाईवे पर मूंग से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए सर्विस रोड पर पलट गया। हादसे में चालक राम निहोर (40) और खलासी वीरू कुमार (19) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने सीएचसी बनी में भर्ती कराया। ट्रक झारखंड से करीब 25 लाख रुपये की मूंग लेकर हरियाणा जारहा था। ट्रक मालिक रवि शंकर के अनुसार दुर्घटना के बाद मौके से करीब 10 बोरी मूंग गायब हो गई। मामले में प्रभारी निरीक्षक से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी है।

फूलपुर में उप निदेशक पंचायती राज ने पर संपत्तियों का किया निरीक्षण

मौजी लाल रावत
सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर, विकास खण्ड के ग्राम सभा सराय अब्दुल मलिक व बीर काजी में बृहस्पतिवार को उपनिदेशक पंचायती राज द्वारा समस्त पर संपत्तियों का निरीक्षण किया गया। जिसमें स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, आर.सी. केंद्र, पंचायत भवन, अन्त्योदय स्थल, गौशाला, मनरेगा आदि सभी कार्यों की समीक्षा की गई। उक्त अवसर पर उप निदेशक पंचायती राज वाराणसी मंडल एवं जिला पंचायत राज अधिकारी प्रयागराज आदि मौजूद रहे। उक्त अवसर पर ए.डी.ओ. पंचायत राजेश सिंह, ग्राम पंचायत सचिव व खण्ड प्रेरक रमाकान्त गुप्ता, प्रधानगण व सफाई कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

दबंगों ने मजदूर को बेरहमी से पीटा, जातिसूचक गालियां देकर दी जान से मारने की धमकी

सबसे तेज प्रयागराज
लालगोपालगंज, प्रयागराज । नवाबगंज थाना क्षेत्र के लालगोपालगंज पुलिस चौकी अंतर्गत निन्दूरा रेलवे लाइन के पास दबंगों द्वारा एक दलित मजदूर की बेरहमी से पिटाई करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने स्थानीय पुलिस चौकी में नामजद व अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निन्दूरा रेलवे लाइन दलित बस्ती की रहने वाली अर्चना देवी पत्नी संदीप कुमार ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनके पति मेहनत-मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बीते कल 17 जून की रात लगभग 9 बजे उनके पति की तबीयत खराब होने पर उन्होंने दवा के लिए डॉक्टर को घर बुलाया था। डॉक्टर के दवा देकर जाने के तुरंत बाद, पड़ोस के ही कुछ दबंगों ने एकराय होकर उनके घर पर हमला बोल दिया। सभी ने उनके पति को घेर लिया और जातिसूचक गालियां देते हुए लाठी-डंडे, लात-घूंसों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से उनके पति का गला भी दबाया। पीड़ित ने घटना के संबंध में स्थानीय पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग किया है।

मण्डलायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की मंडलीय समीक्षा बैठक

प्रगति खराब पाये जाने पर सीएमओ और प्रोजेक्ट मैनेजर-पर्यटन विकास निगम से स्पष्टीकरण मांगा

हनुमान प्रसाद शुक्ल
प्रयागराज। मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में गुरूवार को त्रिवेणी सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकास कार्यों, राजस्व एवं निर्माण कार्यों की मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को संचालित योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। हिदायत दी है कि जिस भी विभाग की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष कम पायी जायेगी, उन अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सी व डी रैंकिंग वाली योजनाओं से सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को योजनान्तर्गत प्रगति लाते हुए ए श्रेणी में लाए जाने के निर्देश दिए हैं।मण्डलायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों के इंसेंटिव भुगतान एवं अन्य कार्यों में जनपद प्रतापगढ़ की प्रगति खराब पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी-प्रतापगढ़ से स्पष्टीकरण लिए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी हिदायत दी है कि इस माह के अंत तक सभी भुगतान अनिवार्य रूप से हो जाये, यदि इसमें लापरवाही पायी गयी तो कड़ी कार्रवाई की जायेगी। मण्डलायुक्त ने सभी जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को जननी सुरक्षा योजना के तहत शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने तथा बच्चों को हेपटाइटिस बी का बर्थ डोज अनिवार्य रूप से लगाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने हाइपरटेंशन तथा शुगर जांच के कार्य की समीक्षा करते हुए सभी जिलाधिकारियों को सीएचओ कार्यालय का औचक निरीक्षण करने तथा सीएचओ की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने यह भी कहा कि शुगर और हाइपरटेंशन के जो मरीज रेफर किए जाये, उनकी शत-प्रतिशत जांच की जाये। मण्डलायुक्त ने मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्रयागराज में आवास निर्माण की प्रगति धीमी पाये जाने पर उन्होंने आवास निर्माण के कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने सभी जनपदों को यह भी निर्देशित किया है कि इस वित्तीय वर्ष का जो लक्ष्य प्राप्त हुआ है, उसके सापेक्ष लाभार्थियों का एक सप्ताह में शत-प्रतिशत रजिस्ट्रेशन पूर्ण करते हुए स्वीकृति की कार्रवाई समय से पूर्ण कर ली जाये। विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने जनपद फतेहपुर में विद्युत बिल के सुधार हेतु दिए गए आवेदनों के निस्तारण की प्रगति खराब पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत लम्बित आवेदनों को अनिवार्य रूप से निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही साथ उन्होंने अन्य जनपदों को भी लम्बित आवेदनों को समय से निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने फैमिली आईडी के कार्य की समीक्षा करते हुए सभी जनपदों को सत्यापन का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करते हुए फैमिली आईडी बनाने का कार्य तेजी से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। अंश निर्धारण में त्रुटि सुधार के प्रार्थना पत्रो के निस्तारण की समीक्षा में प्रयागराज के तहसील फूलपुर, सदर एवं हण्डिया में अंश निर्धारण के कार्य की प्रगति कम पाये जाने पर उन्होंने अभियान चलाकर इसमें तेजी लाए जाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही साथ उन्होंने इस माह के अंत तक सभी जनपदों के अपर जिलाधिकारियों को अंश निर्धारण में त्रुटि सुधार के प्रार्थना पत्रों को अनिवार्य रूप से निस्तारित कराये जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने 1 करोड़ से अधिक लागत वाली निर्माण कार्यों से सम्बंधित योजनाओं की सीएमआईएस पोर्टल की समीक्षा करते हुए सभी कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को चल रहे निर्माण कार्यों की सूचना अनिवार्य रूप से सीएमआईएस पोर्टल पर अपलोड कराये जाने का निर्देश दिया है, जिससे समय पर उनकी मानीटरिंग एवं समीक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि जो कार्य पूर्ण हो गये है, उनको सीएमआईएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपडेट किया जाये। कहा कि सभी कार्य अनिवार्य रूप से समयसीमा के अंदर पूर्ण हो। यदि किसी कारण से निर्धारित समयसीमा में कार्य नहीं पूर्ण हो पा रहा है, तो सम्बंधित अधिकारी मुख्यालय स्तर से उस कार्य की समयसीमा को विस्तारित कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने कहा कि जो परियोजनाएं पूर्ण हो जाये, उसके सापेक्ष शत-प्रतिशत व्यय व भुगतान अनिवार्य रूप से सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि भौतिक प्रगति वित्तीय खर्च के सापेक्ष हो। उन्होंने कहा कि जो परियोजनाएं पूर्ण हो जाये, उनको सम्बंधित विभाग को अनिवार्य रूप से हस्तानान्तरित कर दी जाये। पर्यटन विकास निगम के द्वारा कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा में पूर्ण हुए कार्यों को सीएमआईएस पोर्टल पर समय से अपलोड न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मण्डलायुक्त ने प्रोजेक्ट मैनेजर से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

पूर्वांचल विकास निधि एवं सांसद निधि से सम्बंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को लम्बित कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त, उप निदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी तथा सभी जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी व अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल व तमंचा बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज, नवाबगंज। थाना नवाबगंज पुलिस को अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने गैंगस्टर एक्ट के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल तथा एक अवैध देशी तमंचा .315 बोर बरामद किया है।

गिरफ्तार अभियुक्त लंबे समय से पुलिस की तलाश में था और गैंगस्टर एक्ट के अभियोग में वांछित चल रहा था।

पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर थाना नवाबगंज पुलिस टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर अभियुक्त को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध हथियार बरामद हुआ।

पूछताछ में सामने आया कि अभियुक्त का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है तथा उसके विरुद्ध प्रयागराज सहित जनपद के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट एवं अन्य गंभीर धाराओं में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियुक्त की गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। बरामद मोटरसाइकिल के संबंध में आवश्यक जांच की जा रही है तथा अवैध तमंचे के संबंध में आर्म्स एक्ट के तहत अतिरिक्त कार्रवाई की गई है।

थाना नवाबगंज पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

चौकी प्रभारी आनापुर आकाश सचान, उपनिरीक्षक जैकी गौड़, उपनिरीक्षक सत्य प्रकाश समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहें।

गोदाम का ताला तोड़कर कब्जे की कोशिश, मुकदमा

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र में नीलामी के जरिए खरीदी गई संपत्ति पर कब्जे को लेकर विवाद गहरा गया है। चक मुंडेरा निवासी प्रदीप कुमार साहू की तहरीर पर पुलिस ने कृष्ण कुमार गुप्ता समेत कई नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रदीप कुमार साहू का आरोप है कि उन्होंने वर्ष २०१९ में बैंक ऑफ बड़ौदा की नीलामी के माध्यम से सुलेमसराय स्थित एक भवन खरीदा था। न्यायालय और प्रशासनिक आदेशों के बाद उन्हें भवन का कब्जा भी मिल चुका था। इसी भवन में वह सीमेंट, सरिया और टाइल्स का गोदाम संचालित करते हैं। आरोप है कि २५ जून २०२५ को कृष्ण कुमार गुप्ता, मीरा गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता तिवारी और अन्य लोग गोदाम का ताला तोड़कर अंदर घुस गए। वहां रखे कैश बॉक्स से ५५ हजार रुपये और महत्वपूर्ण दस्तावेज उठा ले गए। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई। आरोप है कि नवंबर २०२५ में कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर भवन को दूसरे लोगों को किराये पर देने की कोशिश भी की गई। प्रदीप कुमार साहू ने आरोपितों पर साजिश, कूटरचना, अवैध कब्जे के प्रयास और न्यायालय के आदेश की अवमानना का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करेलाबागमें महिला एवं उसकी दो बेटियों से मारपीट, धमकी

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के करेलाबाग स्थित सुब्बान घाट मोहल्ले में एक महिला और उसकी दो बेटियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

सुब्बान घाट करेलाबाग निवासी नीता निषाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि १३ जून को वह अपनी बेटियों दिव्या निषाद और मोना निषाद के साथ घर के बाहर मौजूद थीं। आरोप है कि उसी दौरान मोहल्ले के रहने वाले करन वंशल और राजा उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में महिला और उसकी दोनों बेटियों को चोटें आईं। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी और कहा कि यदि पुलिस में शिकायत की गई तो पूरे परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

राजस्व टीम पर पथराव मामले में सगे भाइयों समेत चार पर मुकदमा, 60 अज्ञात भी नामजद

आंगनबाड़ी केंद्र की भूमि के सीमांकन के दौरान हुआ था बवाल, तीन राजस्वकर्मी हुए थे घायल

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के थुलमा गांव में आंगनबाड़ी केंद्र के लिए प्रस्तावित भूमि के सीमांकन के दौरान राजस्व टीम पर हुए पथराव और हमले के मामले में पुलिस ने सगे भाइयों समेत चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। इसके अलावा 60 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

पुलिस के अनुसार, 15 जून की शाम राजस्व विभाग की टीम आंगनबाड़ी केंद्र के लिए भूमि का सीमांकन करने गांव पहुंची थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने सीमांकन का विरोध करते हुए राजस्व कर्मियों पर हमला बोल दिया। आरोप है कि हमलावरों ने ईंट-पत्थर चलाए, जिससे लेखपाल अजय तिवारी, अरविंद कुमार समेत तीन राजस्वकर्मी घायल हो गए। हंगामे के दौरान सरकारी दस्तावेज भी छीन लिए गए।

जान बचाने के लिए राजस्व कर्मियों ने पास की एक दुकान में शरण ली। आरोप है कि हमलावरों ने रंभा और कुल्हाड़ी से दुकान का शटर तोड़ने की भी कोशिश की, लेकिन समय रहते पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रित कर लिया।

लेखपाल अरविंद कुमार की तहरीर पर उतरांव पुलिस ने राहुल, उसकी पत्नी सीमा, मां फूलकली और भाई गणेश के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। थाना प्रभारी विनय सिंह ने बताया कि मामले में 60 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। उनकी पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पत्नी से वीडियो कॉल पर बात करते युवक ने लगाई फांसी, मौत

मायके गई पत्नी के घर नहीं लौटने से था आहत

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज । छोटा बघाड़ा में एक युवक ने बुधवार रात पत्नी से वीडियो कॉल पर बात करते हुए फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह मायके गई पत्नी के घर नहीं लौटने से आहत था। परिजनों को घटना की जानकारी गुरुवार सुबह हुई।

राम प्रिया रोड छोटा बघाड़ा निवासी मनोहर लाल के दो बेटों में बड़ा ३७ वर्षीय रोहित सोनकर एक होटल में काम करता था। बुधवार रात उसने घर में फांसी लगा ली। गुरुवार सुबह जब परिजन सोकर उठे तो घटना का पता चला। बताया गया कि रोहित की पत्नी निशा बच्चों के साथ रविवार से अपने मायके नारायणदास का पूरा, झूंसी में थी। वह घर नहीं आ रही थी। बुधवार रात में रोहित पत्नी से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। उसी दौरान उसने फांसी लगा ली। छोटे भाई राहुल ने बताया कि रोहित बच्चों के बिना नहीं रह पाता था। बुधवार को वह अपनी पत्नी के साथ भाभी को घर लाने गया था, लेकिन वह वापस नहीं आई। आरोप है कि निशा ने कचहरी में मिलने की धमकी दी। राहुल ने बताया कि कुछ समय पहले निशा ने झूंसी थाने में शिकायत की थी, जिसके बाद घर में बंटवारा हो गया था और वह अलग रह रही थी। इसके बाद भी उसका आए दिन पति से विवाद होता था। निशा और उसकी मां रोहित को मानसिक रूप से परेशान करती थीं। रोहित के अपने परिवार में पत्नी के अलावा पांच वर्षीय बेटा दिव्यांश और छह वर्षीय बेटी दित्या हैं।

गायब बच्चे को पुलिस ने बरामद कर परिजनों को सौंपा

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 4/5 से एक बच्चा दीपान्शू उम्र लगभग 6 वर्ष निवासी कनौली थाना टहरी बजार जिला बलुआई (समस्तीपुर) बिहार अपनी मां ममता देवी से बिछड़ गया था। ममता देवी की सूचना पर वरिष्ठ उप निरीक्षक राजकुमार चौहान मय पुलिस बल के साथ सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बिछड़े बच्चे को बरामद कर बच्चे की मां को सौंप दिया।

अफसरों ने अभियान चलाकर की कार्रवाई

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। चिन्हित किए गए 10 रुट में कार्यवाही के क्रम में पुलिस उपायुक्त नीरज कुमार पाण्डेय के नियंत्रणाधीन एवं अपर पुलिस उपायुक्त, यातायात पुष्कर वर्मा की अगुवाई में यातायात पुलिस, स्थानीय पुलिस तथा नगर निगम द्वारा संयुक्त अभियान तीसरे दिन भी जारी रहा।

अभियान के दौरान मरकरी, नुरुल्लाह रोड, अटाला मस्जिद, करेला बाग तक मार्ग को अवरोध मुक्त कराया गया। अभियान के अनतर्गत सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहनों, सड़क पर अतिक्रमण किये गये दुकानदारों तथा वेन्डरो के विरुद्ध पुलिस अधिनियम की धारा 34 के तहत कार्यवाही की गयी जिसमें क्रेन द्वारा रुपये 3500 जुमार्ना वसूल किया गया तथा 150 वाहनों के नो पार्किंग के चालान किये गये। दुकानदारो, वेन्डरो के विरुद्ध पुलिस अधिनियम की धारा 34 के तहत कार्यवाही की गयी, जिसमे दुकानदारो के ठेला, सामान को नगर निगम द्वारा जब्त किया गया।

लालापुर सड़क हादसे में दूसरे घायल युवक की भी मौत, शादी वाले घर में पसरा मातम

सबसे तेज प्रयागराज
लालापुर, प्रयागराज। थाना क्षेत्र के घूरपुर-प्रतापपुर मार्ग पर बुधवार दोपहर हुए एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। बोलेरो और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में अब दोनों बाइक सवार युवकों की मौत हो चुकी है। हादसे के वक्त एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था, जबकि गंभीर रूप से घायल दूसरे युवक की बुधवार देर रात प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इस दोहरी मौत से ग्राम पड़ुआ में कोहराम मच गया है।

जानकारी के अनुसार, लालापुर थाना क्षेत्र के पड़ुआ गांव निवासी गुड्डू उर्फ विजय (30 वर्ष) और उनके मित्र बृजेश (26 वर्ष) बुधवार दोपहर करीब दो बजे बाइक से किसी काम के लिए निकले थे। ग्रामीणों ने बताया कि गुड्डू की सगी बहन की शादी आगामी 21 जून को तय थी। घर में विवाह की तैयारियां जोरों पर थीं और दोनों युवक इसी मांगलिक कार्य के सिलसिले में घर से बाहर गए थे।

जैसे ही उनकी बाइक लालापुर थाने से करीब तीन किलोमीटर दूर सेमरी गांव के पास 'सुपारी बाग मोड़' पर पहुंची, सामने से आ रही एक तेज

रफ्तार बोलेरो ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। दोनों युवक खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़े।

सूचना मिलते ही लालापुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। गहरी चोटों के कारण गुड्डू उर्फ विजय (30) की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जिसके शव को पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल बृजेश (26) को प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल रेफर किया गया, जहाँ देर रात उन्होंने अंतिम सांस ली।

घटना के बाद किसी भी संभावित तनाव को देखते हुए आम आदमी पार्टी और भीम आर्मी के स्थानीय नेताओं ने मौके पर पहुंचकर दोनों पीड़ित परिवारों को ढाढस बंधाया। नेताओं ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज कर लिया है और परिजन कानूनी कार्रवाई से संतुष्ट हैं। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, देर शाम पड़ुआ कैनाल के पास गमगीन माहौल में दोनों युवकों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस हादसे ने शादी की खुशियों को पल भर में चीख-पुकार और गहरे मातम में बदल दिया है। पूर्वांचल विकास निधि के सभी कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 एके तिवारी, अपर जिलाधिकारी नजूल संजय पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी जीपी कुशवाहा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

सिस्टम की आग में जलते मजदूर, प्रगति का स्वांग कब तक?

जब रोजी-रोटी कमाने निकले हाथ आग की लपटों में खो जाएं, तब हादसे सिर्फ दुर्घटनाएं नहीं, व्यवस्था की नाकामी का आईना बन जाते हैं। विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में 8 जून 2026 की वह शाम भी ऐसा ही दर्दनाक सच बनकर उभरी। स्टील मेल्टिंग शॉप-1 में लेडल फटने के बाद 1600 डिग्री तापमान की पिघली धातु मजदूरों पर बरसी तो केवल आठ श्रमिकों की जान नहीं गई, बल्कि सुरक्षित और मानवीय औद्योगिक विकास का दावा भी सवालों के घेरे में आ गया। आग ने उनके शरीर झुलसाए, लेकिन उससे कहीं गहरा घाव हमारी व्यवस्था की संवेदनहीनता पर लगा। विकास की चकाचौंध के पीछे छिपा यह अंधेरा पूछ रहा है–क्या इस देश में एक मजदूर की कीमत अब लोहे से भी कम रह गई है?

हर बड़ी त्रासदी से पहले लापरवाही की कई अनदेखी परतें होती हैं। यह हादसा भी अचानक नहीं हुआ। जर्जर मशीनें, सुरक्षा में चूक, अधूरा रखरखाव, कमजोर प्रशिक्षण और ठेका श्रमिकों के प्रति उपेक्षा ने मिलकर वह हालात बनाए, जिनमें आठ जिंदगियां बुझ गईं। विडंबना यह है कि खतरे के संकेत पहले ही मिल चुके थे। कुछ सप्ताह पूर्व इसी संयंत्र में कार्बन मोनोऑक्साइड रिसाव से चार श्रमिक अस्पताल पहुंचे थे। चेतावनी साफ थी, लेकिन व्यवस्था ने उसे नजरअंदाज कर दिया। सच यह है कि हादसे विस्फोट के दिन नहीं होते; वे उसी दिन शुरू हो जाते हैं, जब चेतावनियों को फाइलों में दफना दिया जाता है।

यह सिर्फ विजाग (विशाखापत्तनम) स्टील प्लांट का हादसा नहीं, बल्कि देश की औद्योगिक व्यवस्था का कड़वा सच है। मैन्युफैक्चरिंग, खनन और इस्पात क्षेत्रों में हर वर्ष सैकड़ों श्रमिक मौत के मुंह में समा जाते हैं। जो आंकड़े दिखते हैं, वे अधूरी तस्वीर हैं; असंगठित क्षेत्र में तो कई मौतें रिकॉर्ड तक नहीं बन पातीं। ठेकेदारी व्यवस्था ने श्रमिक को अधिकारों वाले इंसान से ज्यादा एक इस्तेमाल की वस्तु बना दिया है। न पर्याप्त सुरक्षा, न समुचित प्रशिक्षण, न संकट से बचाव की ठोस व्यवस्था। जब एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक संयंत्र में सुरक्षा का यह हाल है, तो उन निजी इकाइयों की स्थिति का अनुमान सहज लगाया जा सकता है, जहां मुनाफा अक्सर इंसानी जिंदगी पर भारी पड़ जाता है।

इस त्रासदी का सबसे असहज सवाल जवाबदेही का है। हमारे यहां हर बड़े हादसे के बाद वही घिसा-पिटा क्रम दोहराया जाता है–शोक, मुआवजा, जांच समिति और कुछ दिनों तक मीडिया की हलचल। फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। पर क्या कभी सचमुच जिम्मेदारों की पहचान होती है? क्या दोष केवल मशीन का था या महज तकनीकी विफलता का? बिल्कुल नहीं। इस हादसे की जिम्मेदारी प्रबंधन, सुरक्षा तंत्र, निरीक्षण एजेंसियों, श्रम विभाग, सरकारों और उस राजनीतिक संस्कृति पर भी है, जो जवाबदेही से अधिक संरक्षण को महत्व देती है। यदि निरीक्षण निष्पक्ष होते, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होती और भ्रष्टाचार की परतें इतनी मोटी न होतीं, तो शायद यह त्रासदी टाली जा सकती थी। दुर्भाग्य से हमारे यहां हादसों की जांच होती है, व्यवस्था की नहीं।

एक ओर भारत तेज आर्थिक विकास, निवेश, विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के नए कीर्तिमान गढ़ने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर श्रमिकों की सुरक्षा लगातार सवालों के घेरे में है। किसी भी विकास की असली कसौटी आंकड़े नहीं, बल्कि सबसे कमजोर व्यक्ति की सुरक्षा होती है। यदि उत्पादन बढ़ाने की कीमत श्रमिकों के प्राण बन जाए, तो उसे प्रगति नहीं, संस्थागत अमानवीयता कहना अधिक उचित होगा। किसी राष्ट्र की महानता उसकी गगनचुंबी इमारतों से नहीं, उन हाथों की सुरक्षा से तय होती है जो उन्हें खड़ा करते हैं। दुर्भाग्य यह है कि हमारे यहां अक्सर उत्पादन के लक्ष्य इंसानी जीवन से अधिक मूल्यवान मान लिए जाते हैं। इस संकट की जड़ें मशीनों में नहीं, मानसिकता में छिपी हैं। यह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक विफलता है। भ्रष्टाचार, लागत घटाने की होड़, प्रशासनिक उदासीनता और राजनीतिक संरक्षण ने ऐसी व्यवस्था गढ़ दी है, जहां मजदूर को इंसान नहीं, बदले जा सकने वाले संसाधन की तरह देखा जाता है। एक श्रमिक की जगह दूसरा मिल सकता है, लेकिन किसी परिवार का सहारा, बच्चों के सपने और माता-पिता की उम्मीदें नहीं लौट सकतीं। सबसे खतरनाक बात यह है कि व्यवस्था अक्सर ऐसी त्रासदियों को सामान्य मानकर आगे बढ़ जाती है। जब किसी वर्ग की पीड़ा साधारण लगने लगे, तब हादसे सिर्फ कारखानों में नहीं, समाज की संवेदनाओं में भी होने लगते हैं।हर नई त्रासदी यह साबित कर रही है कि चेतावनियों को अब और अनसुना नहीं किया जा सकता। औद्योगिक सुरक्षा को औपचारिकता नहीं, अनिवार्य जिम्मेदारी बनाना होगा। प्रत्येक इकाई में स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट हों और लापरवाही से हुई मौतों पर जिम्मेदार प्रबंधकों, अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ केवल विभागीय कार्रवाई नहीं, बल्कि आपराधिक मुकदमे चलें।

ठेका श्रम व्यवस्था पर सख्त नियंत्रण, श्रमिकों को प्रभावी प्रशिक्षण, आधुनिक सुरक्षा उपकरण और आपात स्थितियों से निपटने की पूरी तैयारी सुनिश्चित की जाए। श्रम कानून कागजों से निकलकर कारखानों तक पहुंचें। सबसे महत्वपूर्ण, सुरक्षा को खर्च नहीं, मानव जीवन की रक्षा में किया गया सबसे आवश्यक निवेश माना जाए। किसी राष्ट्र की महानता उसकी फैक्ट्रियों की ऊंचाई से नहीं, बल्कि अपने श्रमिकों के जीवन के प्रति उसकी संवेदनशीलता से मापी जाती है।

सैन्य परंपराओं और पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

महेन्द्र तिवारी

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी। वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है। इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है। इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है।

सैनिक परंपराओं में सबसे पहला और प्रत्यक्ष बदलाव सैन्य कवायद और आधिकारिक समारोहों के दौरान देखा जा सकता है। ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था। यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी। इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के उपयोग की भी गहन समीक्षा की गई है और इसके इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है।

इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है। एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था। भारतीय जलवायु और यहाँ की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है। इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब अधिकारियों की औपचारिक पोशाक में पहली बार ह्यबंदीह्न नाम के पारंपरिक भारतीय परिधान को आधिकारिक तौर पर स्थान दिया गया है। यह बिना आस्तीन का एक विशेष वस्त्र है, जिसे आम बोलचाल में पारंपरिक कुर्ता या भारतीय नेहरू वेशभूषा के रूप में भी जाना जाता है। अब सैन्य अधिकारी इसे अपनी कमीज और पतलून के साथ अत्यंत गर्व से धारण कर सकते हैं। यह कदम न केवल भारतीय वस्त्र उद्योग और स्थानीय शिल्पकला को नया सम्मान देता है, बल्कि सैन्य जीवनशैली में एक विशिष्ट भारतीय पहचान का समावेश भी करता है। इसके माध्यम से यह दृढ़ संदेश दिया गया है कि हमारे अपने पारंपरिक परिधान भी दुनिया के किसी भी उच्च स्तरीय आधिकारिक आयोजन के लिए पूरी तरह से गरिमापूर्ण और सर्वश्रेष्ठ हैं।

परंपराओं के इस शुद्धिकरण के अंतर्गत केवल पहनावा ही नहीं बदला गया है, बल्कि अधिकारियों की विदाई के तौर-तरीकों में भी बड़े सुधार किए गए हैं। पूर्ववर्ती नियमों के अनुसार, जब भी सेना के शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी, जैसे थल सेनाध्यक्ष या सैन्य कमान प्रमुख अपनी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होते थे, तो उन्हें विदाई देने के लिए घोड़ों से खिंचने वाली एक पुरानी पारंपरिक बग्घी का उपयोग किया जाता था। यह घोड़ों वाली बग्घी प्रथा पूरी तरह से ब्रिटिश राजसी ठाट-बाठ और आम जनता तथा साधारण सैनिकों से दूरी बनाए रखने की औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित थी, जो एक लोकतान्त्रिक देश की सेना में उचित नहीं जान पड़ती थी। अब सेना ने इस सामंती विदाई प्रथा को भी हमेशा के लिए बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। अब अधिकारियों की विदाई बेहद सादगीपूर्ण, अनुशासित और भारतीय मूल्यों के अनुरूप की जाती है। यह बदलाव सैन्य अधिकारियों और उनके अधीन काम करने वाले जवानों के बीच की दूरी को कम करने तथा सेना के भीतर एक समतावादी और आत्मीय वातावरण स्थापित करने में बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है।

सैन्य संस्कृति का एक और बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा उसका संगीत होता है, जो सैनिकों के भीतर अदम्य साहस का संचार करता है। युद्ध के मैदान से लेकर शांति काल के समारोहों तक, सैन्य संगीत दल हमेशा से जवानों में जोश और देशप्रेम की भावना भरते रहे हैं। लेकिन स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी हमारे विभिन्न सैन्य संगीत दल पुरानी अंग्रेजी और स्कॉटिश धुनों को बजाने के लिए विवश थे। गणतंत्र दिवस उत्सव के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में वर्षों तक एक विदेशी प्रार्थना धुन बजाई जाती थी, जिसका भारतीय जनमानस से कोई भी भावनात्मक जुड़ाव नहीं था। अब इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए उस पुरानी विदेशी धुन के स्थान पर ह्यऐ मेरे वतन के लोगोंह्न जैसी अमर, लोकप्रिय और हृदयस्पर्शी भारतीय देशभक्ति धुन को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, सेना के सभी संगीत दल अब विदेशी धुनों की बजाय भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत और देश की माटी से जुड़ी देशभक्ति की धुनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। जब सैन्य वाद्यों से भारतीय राग और लोक धुनें निकलती हैं, तो वे न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ाती हैं बल्कि पूरे देश को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का काम करती हैं।

इस प्रकार, सैन्य व्यवस्था और उसकी जीवनशैली में किए गए ये सभी बदलाव केवल ऊपरी या सतही परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज और राष्ट्र की सोच में आ रहे एक व्यापक गुणात्मक सुधार को रेखांकित करते हैं। वर्ष 1947 में भले ही हमें राजनीतिक स्वतंत्रता मिल गई थी, लेकिन प्रशासनिक और सैन्य स्तर पर अपनी जड़ों को पहचानकर पूर्ण मानसिक स्वतंत्रता प्राप्त करने की दिशा में यह एक अत्यंत ठोस कदम है। भारतीय सेना द्वारा उठाए गए ये कदम 21वीं सदी के आत्मनिर्भर, सशक्त और स्वाभिमानी भारत की नई तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। जब दुनिया की सबसे शक्तिशाली, अनुशासित और आधुनिक सेनाओं में शुमार हमारी सेना अपनी प्राचीन संस्कृति, परंपराओं और जड़ों की ओर लौटती है, तो इससे देश के प्रत्येक नागरिक में एक नया आत्मविश्वास और अपनी साझी विरासत के प्रति गहरा आदर भाव जागृत होता है।

ईरान-अमेरिका युद्धविराम : पश्चिम एशिया में शांति की नई उम्मीद या अस्थायी विराम?

गोपेन्द्र नाथ भट्ट

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुए युद्धविराम का भारत सहित पूरी दुनिया ने राहत के साथ स्वागत किया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटनाक्रम का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए एक सकारात्मक कदम बताया है। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते सैन्य तनाव और संघर्ष की आशंकाओं के बीच यह युद्धविराम न केवल क्षेत्रीय स्थिरता बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हाल के घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया है कि लगातार बढ़ते सैन्य तनाव के बाद दोनों पक्ष फिलहाल प्रत्यक्ष संघर्ष को सीमित करने के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं। यह युद्धविराम उस समय सामने आया है जब क्षेत्र में अस्थिरता चरम पर पहुंच रही थी और तेल आपूर्ति से लेकर वैश्विक व्यापार मार्गों तक पर संकट के बादल मंडराने लगे थे। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को आशंका थी कि संघर्ष लंबा खिंचने पर ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित होगी, वहीं ईरान भी आर्थिक प्रतिबंधों और आंतरिक चुनौतियों के बीच व्यापक युद्ध का जोखिम नहीं लेना चाहता था।

युद्धविराम की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इससे तत्काल सैन्य टकराव का खतरा कम हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच आरोप-प्रत्यारोप, मिसाइल हमले और प्रॉक्सी समूहों के माध्यम से संघर्ष लगातार बढ़ता रहा है। ऐसी स्थिति में संवाद और संयम का कोई भी प्रयास क्षेत्रीय शांति के लिए सकारात्मक संकेत माना जाएगा। हालांकि इतिहास बताता है कि ईरान-अमेरिका संबंधों में अविश्वास इतना गहरा है कि केवल युद्धविराम से स्थायी समाधान की उम्मीद करना जल्दबाजी होगी।

इस घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था भी है। पश्चिम एशिया विश्व के ऊर्जा बाजार का प्रमुख केंद्र है। जब भी इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिलता है। युद्धविराम की खबरों से अंतरराष्ट्रीय बाजारों को राहत मिली है और निवेशकों का भरोसा कुछ हद तक लौटा है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों के लिए भी यह सकारात्मक संकेत है क्योंकि तेल कीमतों में स्थिरता से महंगाई और व्यापार घाटे पर नियंत्रण रखने में मदद मिल सकती है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह युद्धविराम दोनों पक्षों की रणनीतिक मजबूरी का परिणाम भी माना जा सकता है। अमेरिका की प्राथमिकताएं अब केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं हैं। वह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, चीन की बढ़ती शक्ति और वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है। दूसरी ओर ईरान भी अपने क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखते हुए आर्थिक दबावों से राहत चाहता है। ऐसे में प्रत्यक्ष युद्ध दोनों के हितों के अनुकूल नहीं दिखता।

फिर भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर पश्चिमी देशों की चिंताएं अभी समाप्त नहीं हुई हैं।

अमेरिका और उसके सहयोगी चाहते हैं कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर अधिक पारदर्शिता दिखाए, जबकि ईरान इसे अपनी संप्रभुता और सुरक्षा से जुड़ा विषय मानता है। इसके अलावा क्षेत्र में सक्रिय विभिन्न सशस्त्र समूहों की भूमिका भी शांति प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। यदि किसी भी पक्ष से उकसावे वाली कार्रवाई होती है तो युद्धविराम की स्थिति जल्दी टूट सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम में कूटनीति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। युद्धविराम केवल संघर्ष को रोक सकता है, लेकिन स्थायी शांति के लिए विश्वास निर्माण, संवाद और राजनीतिक समझौते आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र तथा क्षेत्रीय शक्तियों के लिए भी यह अवसर है कि वे दोनों पक्षों के बीच संवाद को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

पश्चिम एशिया लंबे समय से वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील और विस्फोटक क्षेत्र रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच दशकों से चला आ रहा तनाव समय-समय पर सैन्य टकराव, आर्थिक प्रतिबंधों और कूटनीतिक संघर्षों के रूप में सामने आता रहा है। ऐसे माहौल में यदि दोनों देशों के बीच युद्धविराम की स्थिति बनती है तो यह केवल दो देशों के संबंधों का मामला नहीं रह जाता, बल्कि इसका प्रभाव पूरे विश्व की राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। कुल मिलाकर ईरान-अमेरिका युद्धविराम को पश्चिम एशिया में राहत की सांस के रूप में देखा जा सकता है। यह क्षेत्र को तत्काल युद्ध की आशंकाओं से कुछ हद तक बाहर निकालता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी स्थिरता का संदेश देता है। लेकिन यह तभी ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होगी जब इसे व्यापक राजनीतिक समाधान और स्थायी शांति की दिशा में पहला कदम बनाया जाए। अन्यथा यह केवल एक अस्थायी विराम बनकर रह जाएगा, जिसके बाद तनाव फिर से उभर सकता है। आने वाले दिनों में दुनिया की नजरें इसी बात पर टिकी रहेंगी कि क्या यह युद्धविराम शांति की शुरूआत है या अगले संघर्ष से पहले का शांत अंतराल!!

दक्षिण की फिल्में कहानी से शुरू होती हैं, बॉलीवुड स्टार से शुरू होता है

प्रो. आरके जैन
अरिजीत

जब कोई फिल्म अपनी मिट्टी की गहराइयों से जन्म लेती है, तब वह केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह जाती; वह अपने समय और समाज का जीवंत महाकाव्य बन जाती है। दक्षिण भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा सामर्थ्य यही है कि वह कहानी को केंद्र में रखता है। वहां पहले कथा जन्म लेती है और फिर उसी कथा के भीतर से नायक उभरता है। किरदार मिट्टी से निकलते हैं, उनकी धड़कनों में लोकजीवन की लय बसती है और उनकी आंखों में पीढ़ियों के सुख-दुःख झलकते हैं। वहीं बॉलीवुड की शुरूआत आजकल स्टार से होती है – पहले चेहरा तय, फिर उसके एंट्री शॉट्स, उसके कपड़े, उसके डायलॉग और अंत में व्यक्तित्व के अनुरूप कथानक गढ़ा जाता है। नतीजा यह कि साउथ की फिल्में दिल की गहराई तक उतर जाती हैं, जबकि बॉलीवुड की फिल्में सतह पर चमककर रह जाती हैं।

साउथ का गांव जब पर्दे पर बोलता है, तो उसकी आवाज में सदियों की स्मृति, आस्था और संघर्ष की गूंज सुनाई देती है। ह्यकांताराह्न, ह्यपेड्डीह्न, ह्यपुष्पाह्न या ह्यजेलरह्न जैसी फिल्मों में गांव केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि

एक सजीव, सांस लेता हुआ चरित्र है। वहां की मिट्टी की महक, लोकदेवताओं में विश्वास, परंपराओं की शक्ति और आम आदमी का संघर्ष – सब दर्शक की रगों में उतर जाता है। दर्शक महसूस करता है कि वह फिल्म नहीं देख रहा, बल्कि अपनी सांस्कृतिक आत्मा को पुनः खोज रहा है। इसके उलट बॉलीवुड का शहर रोशनी से भरा होकर भी भीतर से खाली लगता है; वहां चमक है, पर संवेदना नहीं–चेहरे दिखते हैं, पर किरदार दिल में नहीं बसते।

सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि बॉलीवुड स्वयं अब इस सच्चाई को स्वीकार करने लगा है। वह दक्षिण की मूल कहानियों को हिंदी में डब करके या रीमेक बनाकर पेश कर रहा है और वे फिल्में ब्लॉकबस्टर साबित हो रही हैं। ह्यदृश्यमह्न, ह्यजेलरह्न और ह्यकेजीएफह्न जैसी फिल्में हिंदी डब्ड वर्जन में जबरदस्त सफलता पा चुकी हैं। बॉलीवुड की अनेक बड़े स्टार स्टूडियो अब साउथ की पटकथाओं पर निर्भर हो गए हैं क्योंकि उन्हें अपनी मिट्टी से कहानियाँ निकालने की कला लगभग खो चुकी है। वे स्टार की चमक से चमकाने की कोशिश करते हैं, पर असली जादू तो दक्षिण की कहानी में ही है।

यह अंतर केवल निर्देशन, तकनीक या पटकथा का नहीं, बल्कि सोच और दृष्टि का अंतर है। दक्षिण का फिल्मकार अभी भी अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ा हुआ है। वह जानता है कि असली नायक कहानी है, संघर्ष है, समाज की सामूहिक स्मृति है। इसलिए वह स्टार को किरदार में घुलने देता है, स्टार को किरदार पर हावी नहीं होने देता। यही वजह है कि राम चरण ह्यपेड्डीह्न में एक साधारण देहाती योद्धा बनकर भी पूरे देश का दिल जीत लेता है। वह अपनी जड़ों को नहीं छोड़ता, जड़ें उसे उड़ान देती हैं। इसके विपरीत बॉलीवुड का स्टार जड़ों को काटकर उड़ान भरने की कोशिश करता है, इसलिए उसकी उड़ान छोटी, दिखावटी और जल्दी थक जाने वाली साबित होती है।

दक्षिण भारतीय फिल्मों की कहानियां समय की गहराइयों में उतरती हैं। वे लोककथाओं, पुराणों, क्षेत्रीय इतिहास और समकालीन यथार्थ को एक सूत्र में पिरो देती हैं। उनके एक-एक फ्रेम में संस्कृति की सांस सुनाई देती है, परंपरा का स्पर्श महसूस होता है और मानवीय संवेदनाओं की आंच दिखाई देती है। फिल्म समाप्त होने के बाद भी उसके पात्र और प्रसंग दर्शक के भीतर जीवित रहते हैं। बॉलीवुड इस कला को लगभग भूल चुका है।

वहां कहानी को इतना सजाया और चमकाया जाता है कि कई बार उसकी स्वाभाविकता ही धूमिल पड़ जाती है। फिल्में देखी तो जाती हैं, पर वे हमेशा दर्शक के मन में घर नहीं बना पातीं।आज का दर्शक भी बदल चुका है। वह केवल चमक-दमक से प्रभावित होने वाला दर्शक नहीं रहा। वह ऐसे सिनेमा की तलाश में है जिसमें पात्र सांस लेते हों, संघर्ष करते हों, घायल होते हों और जीवन की वास्तविकता को जीते हों। वह बनावटी पूर्णता नहीं, मानवीय सच्चाई देखना चाहता है। साउथ सिनेमा इस प्यास को बखूबी समझता है। इसलिए जब उसका गांव बोलता है, तो दिल्ली, मुंबई और देश के अन्य महानगर भी चुपचाप सुनने को मजबूर हो जाता है। दूसरी ओर बॉलीवुड का शहर अब भी बड़े बजट, विशाल प्रचार और भव्य प्रस्तुतियों के सहारे अपनी बात कहने का प्रयास कर रहा है, लेकिन उसकी आवाज अब खोखली और बेमानी लगती है।

दक्षिण की फिल्मों की सबसे बड़ी विजय यह है कि वे दर्शक को उपभोक्ता नहीं, सहभागी बनाती हैं। वे उससे कहती हैं–आओ, इस कहानी को सुनो, इसे महसूस करो और इसका हिस्सा बनो। दर्शक स्वयं को कथा के भीतर पाता है और पात्रों के सुख-दुःख से जुड़ जाता है। इसके विपरीत बॉलीवुड का एक बड़ा हिस्सा लंबे समय तक दर्शक को केवल तमाशे का उपभोक्ता मानता रहा–देखो, ताली बजाओ और लौट जाओ। जब तक यह मानसिकता नहीं बदलेगी, साउथ की फिल्में न सिर्फ बाजार पर राज करती रहेंगी बल्कि दिलों पर भी अमिट छाप छोड़ती रहेंगी।

एआई की बढ़ती प्यास और दुनिया का जल भविष्य

के. पी. मलिक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस) को 21वीं सदी की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति माना जा रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वित्त, रक्षा और प्रशासन जैसे लगभग हर क्षेत्र में एआई के बढ़ते उपयोग ने विकास की नई संभावनाएं पैदा की हैं। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और तकनीकी कंपनियां एआई को भविष्य की आर्थिक शक्ति के रूप में देख रही हैं। अमेरिका, चीन, यूरोप और भारत जैसे देश इस क्षेत्र में नेतृत्व हासिल करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रहे हैं। लेकिन इस तकनीकी दौड़ के बीच एक ऐसा पहलू है जिस पर अपेक्षाकृत कम चर्चा हो रही है, और वह है एआई का बढ़ता जल उपभोग। हाल के वर्षों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों और संयुक्त राष्ट्र समर्थित आकलनों ने चेतावनी दी है कि एआई आधारित डेटा सेंटरों के तेजी से विस्तार के कारण आने वाले वर्षों में वैश्विक जल मांग में भारी वृद्धि हो सकती है। अनुमान है कि 2030 तक एआई और डेटा सेंटर उद्योग की पानी की जरूरतें इतनी बढ़ सकती हैं कि वे एक अरब से अधिक लोगों की वार्षिक जल आवश्यकताओं के बराबर पहुंच जाएं। यह केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि विकास, संसाधन प्रबंधन और मानव अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।

दरअसल आमतौर पर एआई को एक डिजिटल तकनीक माना जाता है और लोगों को लगता है कि इसका संबंध केवल कंप्यूटर, इंटरनेट और सॉफ्टवेयर से है। लेकिन वास्तविकता यह है कि एआई के पीछे काम करने वाली संरचना अत्यंत संसाधन-गहन है। जब कोई व्यक्ति एआई चैटबॉट का उपयोग करता है, कोई कंपनी बड़े पैमाने पर डेटा विश्लेषण करती है या कोई संस्थान विशाल भाषा मॉडल को प्रशिक्षित करता है, तब इसके पीछे हजारों शक्तिशाली सर्वर लगातार सक्रिय रहते हैं। ये सर्वर भारी मात्रा में गर्मी उत्पन्न करते हैं और यदि उन्हें नियंत्रित न किया जाए तो पूरा सिस्टम प्रभावित हो सकता है। इसी कारण डेटा सेंटरों में बड़े पैमाने पर कूलिंग सिस्टम का उपयोग किया जाता है, जिनमें पानी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सर्वरों को ठंडा रखने के लिए लाखों लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है। जैसे-जैसे एआई मॉडल अधिक जटिल और शक्तिशाली बन रहे हैं, वैसे-वैसे उनकी ऊर्जा और जल आवश्यकताएं भी बढ़ती जा रही हैं। एआई उद्योग के विस्तार के साथ दुनिया भर में नए डेटा सेंटरों का निर्माण तेजी से हो रहा है। बड़ी तकनीकी कंपनियां विशाल डेटा अवसंरचना विकसित कर रही हैं ताकि बढ़ती डिजिटल मांग को पूरा किया जा सके। लेकिन इन डेटा सेंटरों की स्थापना का अर्थ केवल अधिक बिजली की खपत नहीं है, बल्कि स्थानीय जल संसाधनों पर भी अतिरिक्त दबाव है। कई देशों में ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जहां डेटा सेंटरों के बढ़ते जल उपयोग को लेकर स्थानीय समुदायों ने चिंता व्यक्त की है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां पहले से ही जल संकट मौजूद है, वहां डेटा सेंटरों की उपस्थिति संसाधनों के बंटवारे को लेकर नई चुनौतियां पैदा कर रही है।

दरअसल यह चिंता इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि दुनिया पहले से ही जल संकट का सामना कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अरबों लोगों को सुरक्षित और पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं है। जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती जनसंख्या ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। ऐसे समय में यदि एआई उद्योग पानी की मांग को तेजी से बढ़ाता है, तो जल संसाधनों पर प्रतिस्पर्धा और तीव्र हो सकती है। एक ओर कृषि क्षेत्र है, जो खाद्य सुरक्षा के लिए पानी पर निर्भर है, दूसरी ओर बढ़ते शहर हैं जिन्हें पेयजल और स्वच्छता के लिए अधिक संसाधनों की आवश्यकता है। उद्योगों की जरूरतें भी लगातार बढ़ रही हैं।

संक्षिप्त डायरी

आरटीओ प्रवर्तन ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध संचालन के विरुद्ध चलाया अभियान

एजेंसी

कानपुर। उ.प्र.परिवहन आयुक्त के निर्देश के क्रम आरटीओ प्रवर्तन दल, राजस्व विभाग, परिवहन निगम ने सड़को पर अनाधिकृत रूप से दौड रहे इन अवैध संचालन के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाही की गई। मंगलवार को संयुक्त कार्यवाही के अन्तर्गत कानपुर मण्डल में कुल 88 अनाधिकृत वाहनों के चालान किए गए। जबकि केवल कानपुर नगर में ही 35 वाहनो के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही की गई। कानपुर मण्डल आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि प्रवर्तन विभाग द्वारा शहर के मुख्य तीन प्वांइट को चिहिन्त किया गया है, जिसमें पनकी, सचेण्डी और नौबस्ता शामिल है। यह प्वांइट शहर के मुख्य मार्गो को जोडता भी है। उन्होंने बताया कि अभियान सुबह 6 बजे से देर रात तक जारी रहेगा। ओवरलोड वाहनो पर भी पैनी नजर कानपुर मण्डल आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि घाटमपुर की ओर से आने वाले ओवरलोड वाहनो पर भी कडी नजर रखी जा रही है। उन पर कार्यवाही करने के लिए प्रवतर्न टीम के साथ खनन और पुलिस बल भी लगा हुआ है ताकि ओवरलोडिंग को रोका जा सके। एआरटीओ प्रशासन के पास प्रवर्तन चर्तुथ दल का अतिरिक्त प्रभार आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार को शासन द्वारा जारी निर्देश के तहत कानपुर एआरटीओ प्रशासन आलोक कुमार सिंह को प्रशासन के साथ प्रवर्तन दल चर्तुथ का भी अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। अब प्रशासन के काम के साथ ही प्रवर्तन का काम भी साथ में देखें। उन्होंने बताया कि एक दल के और शामिल हो जाने से प्रवर्तन टीम को कार्यवाही करने में मदद मिलेगी। चेकिंग के लिए पर्याप्त नही है मैन पावर आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवातव ने बताया कि चेकिंग के लिए उनके पास मैन पावर नही है। अक्सर चेकिंग के दौरान कई दुविधाएं भी समाने आती है, जिससे अन्य वाहनो पवर कार्यवाही करने में असुविधा होती है। पर्याप्त सिपाही न होने के कारण रात की चेकिंग पर काफी गहरा असपर पडता है।

बस स्टैंडों से बैटरी व सोलर पैनल चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

हरदोई । थाना कछौना पुलिस ने बस स्टैंडों पर लगे सोलर सिस्टम से बैटरी और सोलर पैनल चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की 10 बैटरियां, 4 सोलर पैनल तथा वारदात में प्रयुक्त 2 मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार 14 जून 2026 को ग्राम तिलोइ हरदोई स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 731 पर बने बस शेल्टर से सोलर लाइट की बैटरियां चोरी होने की सूचना मिली थी। मामले में थाना कछौना पर मुकदमा संख्या 196/26 धारा 303(2) बीएनएस एवं सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में रोनक तिवारी पुत्र सुभाष कुमार तिवारी निवासी ग्राम जासू थाना बघौली, सूरज तिवारी पुत्र मुकेश तिवारी निवासी आमागली थाना बघौली तथा सुमित कश्यप पुत्र राम निवासी ग्राम मुन्नी थाना बघौली शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने कई अन्य घटनाओं में भी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस के अनुसार 8 जून को बघौली क्षेत्र में बस शेल्टर से बैटरी चोरी, 29 मई को सुरसा क्षेत्र में बस शेल्टर से सोलर पैनल और बैटरी चोरी तथा 24 अप्रैल को संडीला क्षेत्र में बस शेल्टर से सोलर लाइट और बैटरी चोरी की घटनाओं का भी खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि बरामद सामान में 10 बैटरियां, 4 सोलर पैनल और दो मोटरसाइकिल शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

मोहर्रम को लेकर जरवा थाना में पीस कमेटी बैठक, शांति बनाए रखने की अपील

एजेंसी

जरवा/बलरामपुर । आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना कोतवाली जरवा परिसर में पीस कमेटी बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के हिन्दू व मुस्लिम समुदाय के गणमान्य लोग, ताजियादार, ग्राम प्रधान, डीजे संचालक, मौलवी सहित अन्य नागरिक मौजूद रहे। बैठक के दौरान सभी को मोहर्रम पर्व के संबंध में शासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों एवं सुरक्षा व्यवस्था से अवगत कराया गया। लोगों से आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की गई। साथ ही जुलूसों को निर्धारित मार्गों से निकालने, किसी भी भड़काऊ या आपत्तिजनक गतिविधि से दूर रहने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने के निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और अफवाह फैलाने या माहौल खराब करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें सभी लोगों ने मोहर्रम को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का आश्वासन दिया।

वैश्विक शांति संदेश के साथ कुशीनगर पहुंचा ग्लोबल पीस एंबेसडर आलोका

एजेंसी

कुशीनगर। बौद्ध भिक्षुओं संग अंतरराष्ट्रीय ग्लोबल पीस एंबेसडर आलोका शनिवार की रात उसी वैश्विक शांति संदेश के साथ बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर पहुंचा, जिसके लिए वह जाना जाता है। रविवार को मानव कल्याण के लिए की गई विशेष बौद्ध पूजा में भी शामिल हुआ। बुद्ध के दाह संस्कार व प्रथम आसन स्थल भी पहुंचा। महापरिनिर्वाण मंदिर में पहली बार कोई जानवर प्रवेश किया। यहां विशेष पूजा के दौरान उसका शांत स्वभाव, भाव भंगिमा, संघ में शामिल होना ध्यान खींचता रहा। सुबह छह बजे शांति दूत बौद्ध भिक्षु पन्नाकार की अगुआई में धम्मम् शरण गच्छामि की गूंज के बीच बौद्ध भिक्षुओं संग आलोका कदमताल करता महापरिनिर्वाण मंदिर पहुंचा। यहां विशेष पूजा व बुद्ध की पांचवीं सदी की शयन मुद्रा वाली प्रतिमा की परिक्रमा में शामिल हुआ। बुद्ध के प्रथम आसन व दाह संस्कार स्थल पर हुई विशेष पूजा में भी शामिल रहा। दरअसल, कोलकाता और ओडिशा की सड़कों पर भटकने वाला यह कुत्ता वर्ष 2022 में भारत नेपाल पद यात्रा कर रहे बौद्ध भिक्षुओं के दल के साथ हो लिया था, तब से उनके साथ है। भिक्षु पन्नाकारा ने बताया कि कोलकाता के पास घूमता मिला यह कुत्ता हमारे दल के साथ पहली बार 112 दिनों तक 3400 किमी पैदल चला। फिर हमने इसे अपना लिया, नाम रखा आलोका (जिसका अर्थ है दिव्य प्रकाश)। उसके एक आम देसी कुत्ता से ग्लोबल पीस एंबेसडर बनने के सफर की शुरूआत मार्च 2025 में हुई, जब बौद्ध भिक्षुओं ने बढ़ते वैश्विक तनाव और हिंसा के विरुद्ध अमेरिका में वाक फार पीस निकाला और इसको मुख्य चेहरा बनाया। बताया 3, 700 किलोमीटर की यह यात्रा अमेरिका के टेक्सास से शुरू होकर देश की राजधानी वाशिंगटन डीसी तक चली। आलोका ने हमारे साथ दस से अधिक अमेरिकी राज्यों को पैदल पार किया था। इस दौरान उसके गले में लोगों ने शांति संदेशों की पट्टियां बांधी थीं। अमेरिकी मीडिया और नागरिकों ने उसे भगवान का भेजा दूत तक कहा। इसके श्रीलंका में यात्रा हुई, जहां उसे पीस एंबेसडर के रूप में सम्मान मिला। यहां के बौद्ध समुदाय और भिक्षुओं ने उसे आध्यात्मिक सम्मान तक दिया और बोधिसत्व तक कहा। बौद्ध धर्म में बोधिसत्व उसे कहा जाता है

अयोध्या में राम मंदिर दान चोरी के सवाल पर प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव बोले- राम राम राम

एजेंसी

प्रयागराज। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रविवार को जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के जल शक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से अयोध्या स्थित राममंदिर में दान राशि चोरी के मामले पर अमर उजाला ने सरकार का पक्ष जानना उनसे चाहा तो उन्होंने हल्की मुस्कान के साथ केवल राम.राम.राम कहा और कोई टिप्पणी नहीं की। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रविवार को जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के जल शक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से अयोध्या स्थित राममंदिर में दान राशि चोरी के मामले पर अमर उजाला ने सरकार का पक्ष जानना उनसे चाहा तो उन्होंने हल्की मुस्कान के साथ केवल राम.राम.राम कहा और कोई टिप्पणी नहीं की। सर्किट हाउस सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक (उज्जैन) और केदारनाथ पुन विकास परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं ने देश की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नई मजबूती प्रदान की है। उन्होंने यह भी कहा कि विदेशों में पहुंच चुकी भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों और मूर्तियों को वापस देश लाने का महत्वपूर्ण कार्य केंद्र सरकार ने किया है। राममंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय था और लगभग पांच शताब्दियों से प्रतीक्षित यह सपना प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में साकार हो सका। दाऊद इब्राहिम के सवाल पर साध ली चुप्पी अमर उजाला ने मुंबई बम विस्फोटों के मुख्य आरोपी और भगोड़े अपराधी दाऊद इब्राहिम को भारत लाने के मुद्दे पर भी पूछा गया कि भाजपा ने केंद्र में सत्ता में आने के बाद दाऊद को भारत लाने की बात कही थी, लेकिन 12 वर्ष बीत जाने के बाद भी वह देश की गिरफ्त में नहीं आ सका है। इस प्रश्न के जवाब में स्वतंत्र देव सिंह ने सीधे दाऊद इब्राहिम पर टिप्पणी करने के बजाय आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार की नीति और कार्रवाई का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुंबई बम धमाकों के समय की परिस्थितियों में तत्कालीन कांग्रेस सरकार प्रभावी कार्रवाई करने में असफल रही थी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक तथा आतंकवाद विरोधी अभियानों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने दुश्मनों को उनकी ही भाषा में जवाब देने का काम किया है।

जच्चा-बच्चा अस्पताल की मैटरनिटी विंग का इंतजार खत्म, दो करोड़ से हो रहा कायाकल्प, जल्द शुरू होगा संचालन

एजेंसी

कानपुर के जच्चा-बच्चा अस्पताल में छह साल पहले बना मैटरनिटी विंग अब स्त्री रोग विभाग को मिल जाएगा। दो करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार के बाद यहां ओटी, लेबर रूम और एचडीयू जैसी सुविधाएं शुरू की जाएंगी। कानपुर में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जच्चा-बच्चा अस्पताल में इलाज के लिए आने वाली महिलाओं के लिए राहत भरी खबर है। 2020 में बना मैटरनिटी विंग छह साल बाद स्त्री रोग विभाग को मिलने वाला है। हालांकि, अभी भवन का भूतल और प्रथम तल ही दिया जाएगा। 2020 में मैटरनिटी विंग के प्रथम तल पर स्त्री रोग विभाग की ओपीडी लगना शुरू हुई थी। कुछ ही समय बाद कोविड आ गया और पूरे भवन को हस्तांतरित कर लिया गया। उसके बाद से यहां मेडिसिन और न्यूरो के रोगियों का इलाज किया जाता है। अब जब स्त्री रोग विभाग के विस्तार की जरूरत हुई, तो भवन को जीर्णोद्धार की आवश्यकता थी। भवन का काम गुणवत्ताहीन हुआ ऐसे में दो करोड़ रुपये के बजट से जीर्णोद्धार का काम कराया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन अधिकारियों के मुताबिक, भवन का काम गुणवत्ताहीन हुआ है। इस कारण ड्रेनेज सिस्टम खराब हो गया। टाइल्स टूट कर गिरने लगे। प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि नए भवन के जीर्णोद्धार के लिए दो करोड़ रुपये का बजट आया है जिससे टाइल्स आदि सही करने का काम चल रहा है। मिलेंगी ये सुविधाएं नए भवन में स्त्री रोग विभाग के ओटी, लेबर रूम, एचडीयू का संचालन किया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ. सीमा द्विवेदी ने बताया कि इस मैटरनिटी विंग के चालू होने से महिलाओं को एक ही छत के नीचे सभी गंभीर बीमारियों का बेहतर इलाज मिल सकेगा। यहां बांझपन, कैंसर और हाई रिस्क प्रेग्नेंसी का इलाज खासतौर पर किया जाएगा। प्रशिक्षित स्टाफ की आवश्यकता की मांग की गई है।

हरदोई के हार्दिक की उड़ान: चेन्नई के दीक्षांत मंच पर गूंजा जनपद का नाम

एजेंसी

हरदोई । प्रतिभा जब परिश्रम का हाथ थाम लेती है तो सीमित संसाधन भी सफलता की ऊंची उड़ानों के लिए पंख बन जाते हैं। ऐसा ही एक गौरवपूर्ण क्षण हरदोई के हिस्से आया, जब जनपद के युवा हार्दिक गुप्ता ने अपनी शैक्षणिक उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि पूरे जिले का मान बढ़ाया। चेन्नई में आयोजित एक भव्य दीक्षांत समारोह में उन्हें प्रतिष्ठित आईएफएमआर क्रेआ यूनिवर्सिटी द्वारा फाइनेंशियल मैनेजमेंट रिसर्च की फेलोशिप डिग्री प्रदान की गई। चेन्नई के ऐतिहासिक म्यूजिक एकेडमी सभागार में 13 जून को आयोजित दीक्षांत समारोह ज्ञान, शोध और उपलब्धियों का उत्सव बन गया। समारोह में देश की न्यायिक, आर्थिक और वैज्ञानिक दुनिया की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार एवं पद्म भूषण से सम्मानित कौशिक बसु, एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ सत्यनारायण आर. चक्रवर्ती, विश्वविद्यालय के चांसलर लक्ष्मी नारायण तथा वाइस चांसलर डॉ. निर्मला राव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया। इसी गरिमामय अवसर पर वाइस चांसलर डॉ. निर्मला राव ने हार्दिक गुप्ता को फेलोशिप डिग्री प्रदान की। यह सम्मान उनके वर्षों के समर्पण, शोधपरक अध्ययन और अकादमिक उत्कृष्टता का प्रमाण बना। मंच पर जैसे ही उनका नाम पुकारा गया, वह क्षण हरदोई के लिए भी गर्व का विषय बन गया। लखनऊ रोड निवासी वरिष्ठ पत्रकार पी.के. गुप्ता बबलू के पुत्र हार्दिक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों तथा परिवार के सदस्यों को दिया। उन्होंने कहा कि जीवन की हर उपलब्धि के पीछे परिवार का विश्वास, शिक्षकों का मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम की शक्ति होती है। यही प्रेरणा उन्हें आगे बढ़ाती रही और कठिन चुनौतियों के बीच भी लक्ष्य के प्रति उनका विश्वास अडिग बना रहा। हार्दिक की शैक्षणिक यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। प्रतिष्ठित कैट परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के बाद उन्हें वर्ष 1971 में स्थापित देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में शुमार आईएफएमआर में प्रवेश मिला। वहां उन्होंने अध्ययन और शोध के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की। हार्दिक की सफलता की खबर जैसे ही हरदोई पहुंची, परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों और जिले के शिक्षाविदों में हर्ष की लहर दौड़ गई। अनेक सामाजिक और शैक्षणिक संगठनों ने इसे जनपद के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि हार्दिक की उपलब्धि यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, मेहनत और ज्ञान के प्रति समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। आज जब हार्दिक गुप्ता ने चेन्नई के प्रतिष्ठित मंच पर अपनी सफलता का परचम लहराया है, तब हरदोई का नाम भी नई पहचान और नए सम्मान के साथ देश के शैक्षणिक मानचित्र पर अंकित हुआ है। उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा की एक उजली मिसाल बन गई है।

हरदोई;जहानीखेड़ा मोड़ पर भीषण सड़क हादसे में मां-बाप और जवान बेटी की मौत, तीन अन्य गंभीर घायल

एजेंसी

हरदोई । मंगलवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जहानीखेड़ा मोड़ के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने सुल्तानपुर के एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। कुछ घंटे पहले तक जो परिवार हंसी-खुशी अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहा था, वह पल भर में ऐसे हादसे का शिकार हो गया कि एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जिंदगी समाप्त हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई और भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक कार में सवार लोगों की दुनिया उजड़ चुकी थी। दुर्घटना में विमल सिंह (40 वर्ष), उनकी पत्नी वंदना सिंह पटेल (30 वर्ष) और 22 वर्षीय बेटी आलीख्या वर्मा की मौत हो गई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जिस बेटी के भविष्य को लेकर माता-पिता ने अनगिनत सपने संजोए थे, वह भीश अपने मां-बाप के साथ इस दुनिया को अलविदा कह गई। हादसे में वीर पटेल, रुबी और उनके मामा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए शाहजहांपुर रेफर कर दिया। बताया जाता है कि मामा के सिर और सीने में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अन्य घायलों की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है। अस्पताल में हादसे के बाद का दृश्य बेहद मार्मिक था। एक ओर तीन शवों के पास बैठे परिजन बिलख रहे थे तो दूसरी ओर घायल अपनों की जिंदगी बचाने के प्रयास जारी थे। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर अस्पताल में मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है। यह हादसा केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि एक परिवार के सपनों, उम्मीदों और खुशियों के बिखर जाने की दर्दनाक कहानी बन गया है। कुछ घंटे पहले जो लोग साथ बैठकर आने वाले कल की बातें कर रहे थे,

33 .72 करोड़ रुपये की 140 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

एजेंसी

बलरामपुर। आदर्श नगर पालिका परिषद बलरामपुर के सर्वांगीण विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए नगर क्षेत्र में लगभग 33 करोड़ 72 लाख 56 हजार रुपये की लागत से तैयार एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक पल्टूराम, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्र तथा नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने संयुक्त रूप से बटन दबाकर कुल 140 विकास कार्यों को नगरवासियों को समर्पित किया। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू के नेतृत्व में नगर क्षेत्र में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि डी.पी.सिंह बैंस ने बताया कि नगर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 15वें वित्त आयोग योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना, स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम), उपवन योजना तथा जल निकासी योजना के अंतर्गत अनेक परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं, जबकि कई नई योजनाओं का शुभारंभ भी किया गया है। उन्होंने बताया कि समारोह के दौरान 4 करोड़ 38 लाख 43 हजार रुपये की लागत से पूर्ण हुई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, जबकि 29 करोड़ 34 लाख 13 हजार रुपये की लागत से प्रस्तावित नई परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इस प्रकार कुल 33 करोड़ 72 लाख 56 हजार रुपये की विकास योजनाएं जनता को समर्पित की गईं। लोकार्पित एवं शिलान्यासित प्रमुख परियोजनाओं में विश्रामालय निर्माण, हवनकुंड एवं खाली प्रांगण में सीसी निर्माण कार्य, विभिन्न घाटों का सौंदर्यीकरण, सार्वजनिक स्थलों पर बेंच एवं पेयजल कियोस्क की स्थापना तथा शिव मंदिर रानी तालाब परिसर में उपवन निर्माण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं प्राप्त होंगी तथा धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों का स्वरूप और अधिक आकर्षक एवं व्यवस्थित होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगर के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से न केवल आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा, इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री डॉ.अजय सिंह पिंकू , अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र मौर्य, जेई सिविल अविनाश यादव, संजय शुक्ल, रामकृपाल शुक्ल, गौरव मिश्रा, शिवम मिश्रा, सभासद संजय मिश्रा, सुभाष पाठक, राघवेंद्र कान्त सिंह मंटू सुशील साहू बंटी, विनोद गिरी, आनंद किशोर, मनोज यादव, मनीष तिवारी, अक्षय शुक्ला, राजेश कुमार कश्यप, संदीप मिश्रा, शुभम चौधरी, जयंत सिंह धर्मू, रत्ना श्रीवास्तव, सुनीता मिश्रा, सौरभ तुलस्यान, मो.कुमैल, शमीम, शमशाद, आजम सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

13वीं रैंक के बावजूद डीएम का सख्त एक्शन, गायब अफसरों का वेतन रोका

एजेंसी

ललितपुर। प्रदेश स्तर पर सीएम डैशबोर्ड की ओवरऑल रैंकिंग में जनपद को 13वां स्थान मिलने के बावजूद जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई पर सख्त रुख अपनाया। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सीएम डैशबोर्ड एवं सीएमआईएस पोर्टल की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिशासी अभियंता सिंचाई निर्माण खंड प्रथम और मिशन मैनेजर यूपीसीडा का एक दिन का वेतन रोक दिया गया। साथ ही कम प्रगति वाले विभागों को एक माह के भीतर सुधार लाने की चेतावनी देते हुए स्पष्ट कहा कि विकास परियोजनाओं में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इस माह सीएम डैशबोर्ड की ओवरऑल रैंकिंग में ललितपुर जिले को प्रदेश में 13वां स्थान प्राप्त हुआ है। विकास कार्यों की श्रेणी में जिले को 22वां तथा राजस्व कार्यों में 11वां स्थान मिला है। जनपद की 86 योजनाओं में से 53 योजनाओं को प्रदेश स्तरीय मूल्यांकन में ग्रेड प्राप्त हुआ है, जबकि शेष योजनाएं बी और सी ग्रेड में हैं। सीएमआईएस पोर्टल पर दर्ज विकास परियोजनाओं की समीक्षा में बताया गया कि जिले की कुल 226 परियोजनाओं में से 141 पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि शेष परियोजनाएं निर्धारित समयावधि में पूर्ण होने की प्रक्रिया में हैं। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विकास परियोजनाओं में अपेक्षित प्रगति न होने पर संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में अनुपस्थित पाए जाने पर अधिशासी अभियंता सिंचाई निर्माण खंड प्रथम एवं मिशन मैनेजर यूपीसीडा का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए तथा उन्हें आगामी बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा गया। निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी या संस्था की लापरवाही के कारण कोई परियोजना लंबित पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। कम प्रगति वाले विभागों के अधिकारियों से जिलाधिकारी ने सीधे जवाब तलब किया और अगले एक माह में प्रदर्शन सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले समीक्षा बैठक तक परिणाम दिखाई देने चाहिए, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तय मानी जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, मुख्य चिकित्सा

अधिकारी डॉ. इम्तियाज अहमद, डीसी मनरेगा रमेश कुमार यादव, जिला विकास अधिकारी अतिरंजन सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. भगवान सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कुंवर सिंह यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिशासी अभियंता एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्पेसएक्स के डील के बाद भारतीय मूल के अमन सांगर की संपत्ति 5.5 अरब डॉलर पहुंची

नई दिल्ली।

स्पेसएक्स ने एआई-आधारित कोडिंग प्लेटफॉर्म कर्सर की मूल कंपनी एनीस्फीयर इंक के अधिग्रहण के लिए 60 अरब डॉलर के शेयर खरीदने का समझौता किया है। इस सौदे के बाद कंपनी के सह-संस्थापक भारतीय मूल के 25 वर्षीय अमन सांगर की अनुमानित संपत्ति 5.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई है।सांगर ने वर्ष 2022 में मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) को अपने तीन सहपाठियों के साथ छोड़कर उस कंपनी की शुरुआत की थी, जो आगे चलकर कर्सर के रूप में विकसित हुई। वह वर्तमान में एनीस्फीयर में मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के पद पर कार्यरत हैं। लिंक्डइन पर सांगर ने अपने मिशन को ÷सॉफ्टवेयर निर्माण की सभी बाधाओं को खत्म करना÷ बताया है।कई रिपोर्टों के अनुसार, इस स्टार्टअप ने शुरुआत में मैकेनिकल इंजीनियरिंग उद्योग के लिए एआई-आधारित सहायक विकसित करने पर काम किया था। बाद में कंपनी ने अपना फोकस बदलकर ऐसी एआई-आधारित कोडिंग प्रणाली विकसित की, जो पूरे कोडबेस का विश्लेषण कर जटिल समाधान तैयार कर सकती है।

न्यूयॉर्क में जन्मे अमन सांगर ने 14 वर्ष की उम्र में कोडिंग शुरू कर दी थी। एमआईटी में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई के दौरान उनकी मुलाकात सह-संस्थापकों माइकल ट्रुएल, सुलेह आसिफ और आर्विड लुनेमार्क से हुई थी। एनीस्फीयर में माइकल ट्रुएल मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं, जबकि सुलेह आसिफ उत्पाद प्रमुख की भूमिका निभा रहे हैं। अमन सांगर ने कंपनी की उत्पाद रणनीति, विस्तार और समुदाय निर्माण का नेतृत्व किया है।नवंबर 2025 में कर्सर की वार्षिक आय 1 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गई थी। जून 2026 की शुरुआत तक कंपनी की वार्षिक आय लगभग 4 अरब डॉलर तक पहुंच चुकी थी।एनवीडिया, एडोबी, उबर, शॉपिफाई और पेपाल जैसी करीब 50,000 कंपनियों के लाखों सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोड तैयार करने और उसमें बदलाव करने के लिए कर्सर का उपयोग करते हैं।स्पेसएक्स के अधिग्रहण की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए अमन सांगर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷कुछ बेहद शक्तिशाली मॉडल को प्रशिक्षित करने को लेकर उत्साहित हूं।÷स्पेसएक्स को उम्मीद है कि यह विलय वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा हो जाएगा।यह अधिग्रहण घोषणा स्पेसएक्स के रिकॉर्डतोड़ नैस्डैक प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के केवल चार दिन बाद आई है। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के पहले ही दिन स्पेसएक्स दुनिया की छठी सबसे अधिक मूल्य वाली सार्वजनिक कंपनी बन गई थी।कंपनी के शेयर पहले दिन 160.95 डॉलर पर बंद हुए, जिससे स्पेसएक्स का बाजार पूंजीकरण लगभग 2.2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। इसके साथ ही रॉकेट निर्माता कंपनी के संस्थापक एलन मस्क दुनिया के पहले खरबपति (ट्रिलियनेयर) बन गए।

होर्मुज में बढ़ी जहाजों की आवाजाही, ईरान के तीन तेल टैंकरों ने अमेरिकी नाकेबंदी को किया पार

तेहरान।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बढ़ने लगी है। मैरीटाइम एनालिसिस फर्म विंडवर्ड ने बताया कि मंगलवार को 14 जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरे, जो इस महीने का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। जो इस महीने का अब तक का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। इस बढ़ोतरी को शिपिंग कंपनियों के बीच धीरे-धीरे लौटते भरोसे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत सूचीबद्ध एक जहाज 'सोफिया 1' ने भी होर्मुज स्ट्रेट को पार किया। इसे पहले अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा ईरान के तेल परिवहन नेटवर्क से जुड़े जहाजों में शामिल किया गया था और इस पर द्वितीयक प्रतिबंध भी लगाए गए थे। समुद्री गतिविधियों पर नजर रखने वाली संस्था टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक, पीस डील ऐलान के बाद से ईरान का तीसरा तेल टैंकर अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी को पार कर गया। टैंकरट्रैकर्स ने बताया कि नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी (एनआईटीसी) का टैंकर सोनिया-1 करीब 10 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था। इससे पहले इसी सप्ताह एनआईटीसी के दो टैंकर डायोना और हीरो-2 भी अमेरिकी नाकाबंदी पार कर निकले थे। इन दोनों जहाजों में कुल 38 लाख बैरल ईरानी कच्चा तेल लदा था। हालांकि, मौजूदा ट्रैफिक अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, संघर्ष शुरू होने से पहले इस होर्मुज से औसतन करीब 130 जहाज प्रतिदिन गुजरते थे। विंडवर्ड ने कहा कि कई शिपिंग कंपनियां अभी भी पूरा भरोसा जुटा नहीं पाई हैं, वो इंतजार कर रही हैं। जहाज मालिकों का कहना है कि वे तब तक होर्मुज से जहाज नहीं भेजेंगे, जब तक जहाजों पर हमले का खतरा पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाता। रविवार को ही अपने 80वें जन्मदिन पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पीस डील का ऐलान करते हुए ।

अमेरिका-ईरान समझौते की उम्मीद से 80 डॉलर से नीचे फिसला ब्रेंट क्रूड, रुपए को भी मिला सपोर्ट

नई दिल्ली।

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को करीब 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि निवेशक और कारोबारी इस संभावना का आकलन कर रहे हैं कि ईरान से जुड़ा संघर्ष समाप्त हो सकता है और होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल सकता है। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.72 प्रतिशत गिरकर 78.39 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड लगभग 1 प्रतिशत फिसलकर 75.35 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के अंतरिम समझौते से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि तेहरान परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा, जबकि एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद ईरान को तेल बेचने की अनुमति दी जाएगी। इस सप्ताह हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत अप्रैल में घोषित युद्धविराम को 60 दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया है, ताकि दोनों पक्ष स्थायी शांति समझौते पर बातचीत कर सकें। समझौते के अनुसार अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर लगाया गया अपना प्रतिबंध हटाएगा, जबकि तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों और अन्य समुद्री यातायात को गुजरने की अनुमति देगा। अमेरिका और इजरायल द्वारा 28 फरवरी को हमले शुरू किए जाने के बाद से ईरान ने इस मार्ग को प्रभावी रूप से बाधित कर रखा था। इस बीच भारतीय रुपया भी मजबूत हुआ। बुधवार को घरेलू मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 31 पैसे की बढ़त के साथ 94.29 पर कारोबार कर रही थी, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 94.56 पर बंद हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार एक और सकारात्मक संकेत विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी में कमी आना है।

एक्स डाउन यूजर्स ने आउटेज की रिपोर्ट की, ऐप और वेबसाइट पर लॉगिन और फीड में आईं दिक्कतें

नई दिल्ली।

एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) की सर्विस में बुधवार को रुकावट आई। सुबह करीब 8ः30 बजे सर्विस ठप होने की सबसे अधिक शिकायतें मिलीं।आउटेज ट्रैक करने वाले प्लेटफ़ॉर्म %डाउनडिटेक्टर% के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत यूजर्स ने ऐप में दिक्कतों की शिकायत की, जबकि 29 प्रतिशत ने फीड और टाइमलाइन में समस्याओं की बात कही। वहीं, 18 प्रतिशत यूज़र्स ने वेबसाइट पर रुकावटों की सूचना दी। पिछले 24 घंटों में यह दूसरी बार है जब सर्विस में रुकावट आई है। इससे पहले मंगलवार शाम को भी यूजर्स ने समस्याओं की रिपोर्ट की थी।इससे पहले इस साल मई में प्लेटफ़ॉर्म में भारत समेत दुनिया भर में आउटेज (सेवा में रुकावट) की समस्या आई थी, जिसके कारण यूजर्स न तो नई पोस्ट लोड कर पा रहे थे और न ही अपने अकाउंट में लॉग-इन कर पा रहे थे। हजारों यूजर्स को एक्स के वेबपेज एक्सेस करने में परेशानी हुई, जबकि कई लोगों ने ऐप और लॉग-इन पेज में भी दिक्कतों की शिकायत की।उस आउटेज के दौरान, 41 प्रतिशत यूजर्स ने कहा कि वे लॉग इन नहीं कर पा रहे थे, जबकि उतने ही यूज़र्स ने एक्स ऐप में भी दिक्कतों की बात कही।

टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध से भारत के 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित- पावेल डुरोव

नई दिल्ली।

टेलीग्राम के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पावेल डुरोव ने कहा है कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले भारत में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध से 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित हुए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में डुरोव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक सप्ताह के लिए टेलीग्राम पर प्रतिबंध लगाया, क्योंकि कुछ यूजर्स कथित तौर पर परीक्षा के लीक हुए प्रश्न साझा कर रहे थे। इससे भारत में टेलीग्राम के 15 करोड़ से अधिक यूजर्स प्रभावित हुए। उन्होंने आगे कहा कि टेलीग्राम ने पिछले कुछ हफ्तों में सैकड़ों ऐसे चैनलों को हटा दिया है, जिन पर भारत में कथित रूप से परीक्षा से संबंधित लीक सामग्री साझा करने और उससे जुड़े घोटाले चलाने के आरोप थे। डुरोव ने यह भी कहा कि कंपनी संदेशों पर दिखाई देने वाले %एडिटेड% लेबल को और अधिक स्पष्ट बनाने पर काम कर रही है, ताकि पुराने समय की मुहर (टाइमस्टैम्प) बदलकर किए जाने वाले धोखाधड़ी और सामग्री में हेरफेर को रोका जा सके। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत सरकार ने 21 जून को होने वाली नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए 22 जून तक टेलीग्राम सेवाओं पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। यह पुनर्परीक्षा 3 मई को आयोजित मूल परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद कराई जा रही है। यह प्रतिबंध राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों के आधार पर लगाया गया था। एनटीए ही देश भर के मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट परीक्षा आयोजित करती है।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से आईओसीएल बीपीसीएल और एचपीसीएल के शेयरों में आई जोरदार तेजी

मुंबई।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेतों के बीच बुधवार को सरकारी तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। दिन के कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शेयर 2 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 410.50 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के शेयर 2.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 319.50 रुपए के इंट्रा-डे हाई तक पहुंच गया। वहीं, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के शेयर में भी 1.61 प्रतिशत की तेजी आई और यह 147.47 रुपए के दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गए। तेल विपणन कंपनियों के शेयरों में यह तेजी ऐसे समय आई है जब कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। बाजार को उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते के बाद ईरान का तेल निर्यात बढ़ सकता है, जिससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति संबंधी चिंताएं कम होंगी। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई और यह पिछले तीन महीनों के निचले स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी। पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में इसमें तेज गिरावट देखने को मिली है। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल भी लगभग 1 प्रतिशत गिरकर 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था। रिपोर्टों के अनुसार, अंतरिम समझौते के तहत ईरान को फिर से कच्चे तेल की बिक्री की अनुमति मिल सकती है। साथ ही यह समझौता दोनों पक्षों के बीच व्यापक बातचीत का रास्ता भी तैयार करेगा, जिसका उद्देश्य संघर्ष समाप्त करना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं का समाधान निकालना है। इसके अलावा, इस प्रस्तावित व्यवस्था से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोलने में मदद मिलने की उम्मीद है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है। इसके खुलने से क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की आवाजाही भी आसान हो जाएगी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले पांच दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमत में लगभग 16 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह करीब 79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। इससे भारत के लिए बढ़ते भुगतान संतुलन (बीओपी) घाटे की बड़ी चिंता काफी हद तक कम हो गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार के नजरिए से एक और सकारात्मक संकेत विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली में कमी आना है। यह रुझान आगे भी जारी रह सकता है क्योंकि भारतीय रुपया लगातार मजबूत हो रहा है और उसमें आगे भी मजबूती आने की संभावना है। बुधवार को ऊर्जा कीमतों को लेकर चिंता कम होने और वैश्विक निवेशकों के बेहतर रुख के कारण लगातार चौथे कारोबारी सत्र में घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ कारोबार करता दिखाई दिया और हरे निशान में बंद होने में सफल रहा।

खाद्यान्न भंडारण के लिए सरकार लॉन्च करेगी स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम मजबूत होगी देश की खाद्य सुरक्षा

नई दिल्ली।

सरकार खाद्यान्न भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम लॉन्च करने जा रही है। यह कदम आधुनिक, तकनीक-सक्षम और अधिक कुशल सार्वजनिक भंडारण व्यवस्था के जरिए देश की खाद्य सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) 18 जून को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का शुभारंभ करेगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी मौजूद रहेंगे। स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम को एक एकीकृत तकनीक-आधारित समाधान के रूप में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य गोदाम प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाना और खाद्यान्न भंडारण से जुड़े कार्यों की दक्षता बढ़ाना है। इस पहल से एक आधुनिक भंडारण तंत्र विकसित होने की उम्मीद है, जो खाद्यान्न प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाएगा और लंबे समय तक देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। मंत्रालय के अनुसार, यह पहल डिजिटल इंडिया, इंडिया एआई मिशन, पीएम गतिशक्ति और आत्मनिर्भर भारत जैसे सरकारी अभियानों की सोच के अनुरूप है। कार्यक्रम के दौरान विभाग केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के उन गोदामों को सम्मानित करेगा, जिन्होंने डिपो दर्पण मूल्यांकन ढांचे के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), स्वचालन और डेटा विश्लेषण जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिनके जरिए गोदाम संचालन को बेहतर बनाया जाएगा और निगरानी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस प्रणाली के जरिए प्रवेश द्वार और वजन पुल (वेटब्रिज) संचालन का स्वचालन, डिजिटल प्रवेश प्रबंधन, गोदामों की स्थिति की स्मार्ट निगरानी, स्टॉक की बेहतर दृश्यता और एकीकृत डैशबोर्ड के माध्यम से रियल टाइम में संचालन की निगरानी संभव हो सकेगी। यह पहल खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के व्यापक सुधार कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला में डिजिटल परिवर्तन और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना है। पिछले कुछ वर्षों में खरीद, भंडारण और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने, कार्यकुशलता सुधारने और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

भारत और मोनाको के संबंध आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छुएंगे पीयूष गोयल

नीस/नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि उन्होंने मोनाको के प्रिंस अल्बर्ट II से मुलाकात की और स्थिरता, ब्लू इकोनॉमी, नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में भारत-मोनाको साझेदारी के विस्तार पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि उन्होंने नीस में आयोजित प्रमुख 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी, जिसने भारत के जीवंत प्रौद्योगिकी और नवाचार इकोसिस्टम को प्रदर्शित किया तथा वैश्विक सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷मुझे विश्वास है कि भारत-मोनाको संबंध आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छुएंगे।÷ इससे पहले, पीयूष गोयल ने नीस में आयोजित 'भारत इनोवेट्स 2026' के समापन समारोह को संबोधित किया और पिछले तीन दिनों में प्राप्त उपलब्धियों पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां भारत-फ्रांस नवाचार साझेदारी की अपार संभावनाओं को दर्शाती हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के प्रेरणादायक नेतृत्व तथा 'भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026' के तहत उनकी साझा दृष्टि ने उस मजबूत नींव का निर्माण किया, जो आज एक वास्तविक परिवर्तनकारी मंच के रूप में उभरकर सामने आई है।

नेपाल विवादों में घिरे पोखरा एयरपोर्ट से जल्द शुरू होगी दैनिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

काठमांडू। चीन की फंडिंग से बने पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को आखिरकार एक बड़ी अंतराष्ट्रीय उड़ान सेवा मिलने जा रही है। दुबई स्थित एयरलाइन फ्लाईदुबई ने घोषणा की है कि वह 23 सितंबर से दुबई और पोखरा के बीच दैनिक सीधी उड़ानें शुरू करेगी। यह पहली बार होगा जब पोखरा हवाई अड्डे से किसी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन द्वारा नियमित दैनिक सेवाएं संचालित की जाएंगी। 1 जनवरी 2023 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया गया था, लेकिन अब तक इसे नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें नहीं मिल पाई थीं। इससे पहले हिमालय एयरलाइंस, जो नेपाल-चीन संयुक्त उद्यम का प्रतिफल है, ने मार्च 2025 में पोखरा-ल्हासा रूट पर साप्ताहिक उड़ानें शुरू की थीं, लेकिन इसी वर्ष मार्च में यह सेवा बंद हो गई थी, जिससे एयरपोर्ट फिर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से खाली हो गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब इस परियोजना को लेकर भ्रष्टाचार के आरोप भी सामने आए हैं। नेपाल की भ्रष्टाचार निरोधक संस्था कमिशन फॉर इंवेस्टिगेशन ऑफ अब्युज ऑफ अथॉरिटी (सीआईएए) ने इस हवाई अड्डे के निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर कई पूर्व मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना चीन के एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक से मिले 215.96 मिलियन डॉलर की फंडिंग से बनी थी और इसे चीन सीएएमसी इंजीनियरिंग कंपनी ने पूरा किया था। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के अनुसार, फ्लाईदुबई को शुरुआत में एक महीने के लिए प्रायोगिक आधार पर दैनिक उड़ानों की अनुमति दी गई है। इस दौरान सेवा की व्यावसायिक और तकनीकी व्यवहार्यता का आकलन किया जाएगा। सीएएएन ने उम्मीद जताई है कि यदि यह सेवा सफल रहती है।

जी7 समिट में पीएम मोदी ने की इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप बनाने की अपील

एवियन ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी7 समिट में वैश्विक एकजुटता को मजबूत करने की बात कही। बुधवार को उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण ईंधन, उर्वरक और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएं पैदा हो रही हैं, जिसका असर लंबे समय तक वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) पर पड़ता रहेगा। फ्रांस के एवियन में आयोजित ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन के 'संतुलित, साझा और सतत आर्थिक विकास' विषय पर आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास का वास्तविक सवाल यह नहीं है कि जीडीपी कितनी है, बल्कि यह है कि विकास किसके लिए, किसके साथ और किस दिशा में हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा समावेशिता, पैमाने और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण पर आधारित है, जो ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ के सिद्धांत से प्रेरित है। उन्होंने यह भी कहा कि यह दृष्टिकोण भारत की जी20 अध्यक्षता और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) जैसी पहलों में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो रही हैं, और ऐसे समय में कमजोर देशों को अकेले इन झटकों का बोझ नहीं उठाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से विकासशील देशों को आर्थिक झटकों से बचाने के लिए मजबूत सहायता तंत्र विकसित करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि कई देश वृद्ध होती आबादी का सामना कर रहे हैं, जबकि भारत और वैश्विक दक्षिण के देशों के पास युवा प्रतिभा और कौशल की बड़ी ताकत है। इस संतुलन का लाभ उठाने के लिए उन्होंने ÷ग्लोबल स्किल्स पार्टनरशिप÷ की आवश्यकता बताई।

भू-राजनीतिक तनाव कम होने से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप फिर 5 ट्रिलियन डॉलर के पार

मुंबई।

बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बुधवार को 5 ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गया, जो लगभग छह सप्ताह बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा है। घरेलू शेयर बाजार में तेजी, भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने इस बढ़त को समर्थन दिया। पिछले कुछ कारोबारी सत्रों में बाजार में मजबूत रिकवरी देखने को मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते से जुड़ी सकारात्मक प्रगति और वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा है, जिससे बाजार को मजबूती मिली है।

विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में कमी और बाजार की अस्थिरता दर्शाने वाले संकेतकों में गिरावट से निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ी है, जिसका फायदा शेयर बाजार को मिला।

इसके अलावा, पिछले चार कारोबारी सत्रों में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्य में 6 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। व्यापक बाजार सूचकांकों ने भी प्रमुख सूचकांकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। अप्रैल से अब तक सेंसेक्स में जहां सीमित बढ़त देखने को मिली है, वहीं मिडकैप, स्मॉलकैप और माइक्रोकैप शेयरों ने अधिक मजबूत रिटर्न दिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि मौजूदा बाजार तेजी में निवेशकों की भागीदारी व्यापक स्तर पर बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से भारत की अर्थव्यवस्था को राहत मिल सकती है। इससे महंगाई, चालू खाते के घाटे और कंपनियों की आय पर पड़ने वाला दबाव कम होगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के बावजूद घरेलू शेयर बाजार मजबूत बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण घरेलू निवेशकों की ओर से लगातार हो रहा निवेश है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि विदेशी निवेश का प्रवाह भी सुधरता है तो आने वाले महीनों में बाजार की धारणा को और मजबूती मिल सकती है। उन्होंने भारत की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर भी भरोसा जताया है।

उनके अनुसार संरचनात्मक सुधार, कंपनियों की मजबूत बैलेंस शीट और बढ़ता पूंजीगत व्यय बाजार के प्रमुख विकास कारक हैं।

रायपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान से पक्षी टकराया सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली।

दिल्ली से रायपुर पहुंचे एयर इंडिया का एक विमान बुधवार सुबह रायपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान बर्ड हिट (पक्षी टकराने) की घटना का शिकार हो गया। हालांकि, विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और इस घटना में किसी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। रायपुर एयरपोर्ट प्राधिकरण के अनुसार, विमान रनवे पर उतरने के दौरान एक पक्षी से टकरा गया। घटना के बाद एयर इंडिया ने निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत विमान की तकनीकी जांच और सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक निरीक्षण कराए। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि विमान की विस्तृत जांच स्थापित विमानन सुरक्षा मानकों के अनुरूप की गई और सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद उसे आगे के परिचालन के लिए मंजूरी दे दी गई। इसके बाद विमान अपने निर्धारित गंतव्य के लिए रवाना हो गया।

अधिकारियों के मुताबिक, बर्ड हिट विमानन क्षेत्र में होने वाली सामान्य घटनाओं में शामिल है और ऐसे मामलों में विमान की विस्तृत जांच के बाद ही उसे दोबारा सेवा में लगाया जाता है। फिलहाल इस घटना में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। इस बीच, इसी महीने की शुरुआत में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 7 जून को दिल्ली हवाई अड्डे पर प्रतिकूल मौसम के कारण एयर इंडिया के तीन विमानों को हुए नुकसान की घटना की जांच शुरू की थी। डीजीसीए के अनुसार, 7 जून को दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर खड़े एयर इंडिया के तीन ए320 विमानों को तेज हवाओं और खराब मौसम के दौरान ग्राउंड इक्विपमेंट तथा विदेशी मलबे (फॉरेन ऑब्जेक्ट डेब्रिस) से नुकसान पहुंचा था। जांच और रखरखाव के लिए तीनों विमानों को ग्राउंड कर दिया गया था।

फीफा विश्व कप 2026

200 वें मैच में मेसी का जादुई शो

पहली विश्व कप हैट्रिक से अर्जेंटीना को दिलाई जीत

कैनसस सिटी। फीफा विश्व कप 2026 में लियोनल मेसी ने एक ऐसी रात को यादगार बना दिया, जिसे अर्जेंटीना के फुटबॉल फैंस शायद कभी नहीं भूलेंगे। अल्जीरिया के खिलाफ ग्रुप-जे के मुकाबले में मेसी ने अपने विश्व कप करियर की पहली हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को 3-0 की शानदार जीत दिलाई। इसके साथ ही उन्होंने जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोज के विश्व कप में सर्वाधिक 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली।कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना शुरू से ही हावी रहा। कप्तान मेसी ने पहले हाफ में टीम को बढ़त दिलाई और फिर दूसरे हाफ में दो और गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। उनकी हैट्रिक की बदौलत मौजूदा विश्व चैंपियन ने अपने खिताब बचाने के अभियान की दमदार शुरुआत की।

हालंद और एमबाप्पे पर भारी पड़े मेसी

विश्व कप के छठे दिन एरलिंग हालंद और किलियन एमबाप्पे ने भी दो-दो गोल किए थे, लेकिन सारी सुर्खियां मेसी के नाम रहीं। हालंद ने नॉर्वे की ओर से इराक के खिलाफ दो गोल दागे, जबकि एमबा पे ने सेनेगल के खिलाफ फ्रांस की जीत में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मेसी की हैट्रिक और रिकॉर्ड की बराबरी ने इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया। 80वें मिनट में जब मेसी को मैदान से बाहर बुलाया गया तो पूरा स्टेडियम खड़ा हो गया। यह सिर्फ एक हैट्रिक नहीं थी, बल्कि फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक के करियर का एक और सुनहरा अध्याय था।

20 साल बाद रचा इतिहास

यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि मेसी ने अपना पहला विश्व कप मैच 2006 में सर्बिया और मोंटेनेग्रो के खिलाफ खेला था। ठीक 20 साल बाद उन्होंने उसी मंच पर पहली विश्व कप हैट्रिक लगाकर इतिहास रच दिया। वह विश्व कप के पांच अलग-अलग संस्करणों में गोल करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस सूची में उनके साथ केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम शामिल है।

विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	देश	गोल
मिरोस्लाव क्लोज	जर्मनी	16
लियोनल मेसी	अर्जेंटीना	16*
रोनाल्डो	ब्राजील	15
किलियन एमबाप्पे	फ्रांस	14
गेर्ड मुलर	जर्मनी	14
जस्ट फोंटेन	फ्रांस	13
पेले	ब्राजील	12

क्लोज के रिकॉर्ड की बराबरी

विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले मेसी के नाम विश्व कप में 13 गोल थे। अल्जीरिया के खिलाफ तीन गोल दागकर उन्होंने अपना आंकड़ा 16 तक पहुंचा दिया इसके साथ ही उन्होंने मिरोस्लाव क्लोजे के सर्वाधिक विश्व कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अभी टूर्नामेंट के कई मैच बाकी हैं और ऐसे में मेसी के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा।

एमबाप्पे फ्रांस के लिए बने सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

न्यू जर्सी। कायलियन एमबाप्पे के दम पर फ्रांस ने ग्रुप आई के मुकाबले में सेनेगल को 3-1 से हराकर फीफा विश्व कप में विजयी आगाज किया। फ्रांस के लिए एमबाप्पे ने दो गोल दागे। एमबाप्पे इसके साथ ही फ्रांस की ओर से विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने। दोनों टीमें पहले हाफ तक कोई गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हाफ में कप्तान कायलियन एमबाप्पे ने टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद ब्रैडली बारकोला ने गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। निर्धारित 90 मिनट के बाद फ्रांस 2-0 से आगे था। हालांकि, आठ मिनट के इंजरी समय के दौरान सेनेगल के लिए इब्राहिम मबाये ने गोल दागा। लेकिन इसके चंद सेकेंड बाद ही एमबाप्पे ने एक और गोल कर फ्रांस को 3-1 से आगे कर दिया।

इंग्लैंड को लगा झटका, लिवरामेंटो चोट के कारण विश्व कप से हुए बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के फुल बैक टिनो लिवरामेंटो पिंडली की चोट के कारण फुटबॉल विश्व कप से बाहर हो गए जिससे कोच थॉमस ट्यूशेल को क्रोएशिया के खिलाफ अपनी टीम के पहले मैच से ठीक पहले टीम में बदलाव करना पड़ा। चेल्सी के डिफेंडर ट्रेवो चालोबाह को उनकी जगह बुलाया गया है और वे कैनसस सिटी में इंग्लैंड के ट्रेनिंग शिविर में शामिल होने वाले हैं।

ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हुए थे लिवरामेंटो- इंग्लिश फुटबॉल संघ ने बताया कि न्यूकासल के डिफेंडर लिवरामेंटो रविवार को ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। एक बयान के अनुसार, 'सोमवार को हुए स्कैन और मेडिकल जांच से दुर्भाग्य से पुष्टि हुई कि वह (लिवरामेंटो) टूर्नामेंट में आगे इंग्लैंड की ओर से हिस्सा नहीं ले पाएंगे।' लिवरामेंटो को मुख्य रूप से उनकी बहुमुखी प्रतिभा के कारण चुना गया था क्योंकि वह राइट-बैक और लेफ्ट-बैक दोनों पोजीशन पर सहज थे। उन्हें मुख्य रूप से राइट-बैक पोजीशन पर अक्सर चोटिल होने वाले रीस जेम्स के बैकअप के तौर पर देखा जा रहा था। चालोबाह ने हाल के सत्र में चेल्सी के लिए अधिकतर सेंटर-बैक के तौर पर खेला है लेकिन उन्हें राइट-बैक के तौर पर खेलने का भी अनुभव है। इंग्लैंड गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ अपने पहले ग्रुप मैच के लिए डलास जा रहा है। टीमें अपने पहले मैच की शुरुआत से 24 घंटे पहले तक चोटिल खिलाड़ियों की जगह दूसरे खिलाड़ियों को बुला सकती हैं।

खिताबी सूखे को समाप्त करने उतरेगा इंग्लैंड

डिफेंस में दोनों तरफ खेलने वाले टीनो लिवरामेंटो जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट में पूरी तरह मैच-फिट नहीं थे। वह फ्लोरिडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दूसरे हाफ में खेले थे, लेकिन कोस्टा रिका के विरुद्ध टीम के आखिरी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच के दौरान बेंच पर ही रहे। इंग्लैंड ने साल 1966 में अपना एकमात्र फीफा विश्व कप खिताब जीता था। यह टीम इस साल छह दशक के सूखे को समाप्त करने उतरेगी।

भारत ने अफगानिस्तान को 403 रनों का विशाल लक्ष्य दिया

➡ गिल और किशन ने खेली शानदार शतकीय पारी

लखनऊ, एजेंसी। भारत बनाम अफगानिस्तान तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला का दूसरा मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 403 रन का लक्ष्य दिया। 49.5 ओवर में टीम इंडिया 402 रन पर सिमट गई। पहले खेलते हुए भारत की शुरुआत खास नहीं रही और यशस्वी जायसवाल 4 रन पर आउट हुए। उसके बाद रोहित शर्मा ने बेहतरीन 48 रन बनाए और कप्तान गिल व इशान किशन ने ताबड़तोड़ शतकीय पारियां खेलीं। शुभमन गिल ने 154 और इशान किशन ने 125 रन बनाए। वहीं रोहित शर्मा ने भी 48 रन की पारी खेली। भारत ने वनडे इंटरनेशनल में 8वीं बार 400 रनों का आंकड़ा पार किया है। अफगानिस्तान के लिए खरोटे ने 4 और राशिद खान ने 3 विकेट झटके।

शुभमन गिल भारत में सबसे तेज एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, कोहली का रिकॉर्ड टूटा

भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में विराट कोहली और शिखर धवन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। गिल अब भारत में इनिंग के हिसाब से सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। गिल ने लखनऊ के एकाना स्टेडियम में ना सिर्फ यह रिकॉर्ड बनाया और बल्कि शतक भी लगाया। गिल ने भारत में 19 इनिंग्स में एक हजार वनडे रन पूरे किए हैं। इससे पहले भारत में सबसे तेज एक हजार वनडे रन का रिकॉर्ड कोहली और धवन के नाम था जिन्होंने संयुक्त रूप से 24 इनिंग्स में यह कमाल किया है। लिस्ट में तीसरे नम्बर पर नवजोत सिंह सिद्धू और श्रेयस अय्यर हैं, इन दोनों ने 25 इनिंग्स में ऐसा किया है। इस लिस्ट में चौथे स्थान पर ईशान किशन हैं जिन्होंने 26 इनिंग्स में भारत में एक हजार रन पूरे किए हैं।

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम खेलेंगी सेरेना विंबलडन में बहन वीनस के साथ दिखेंगी

लंदन (एजेंसी)। टेनिस जगत की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स करीब चार साल बाद किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में वापसी करने जा रही हैं। 44 वर्षीय अमेरिकी स्टार विंबलडन 2026 में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल वर्ग में खेलती नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों ने मंगलवार को महिला युगल के लिए वाइल्ड कार्ड प्राप्त जोड़ियों की घोषणा की, जिसमें विलियम्स बहनों का नाम भी शामिल है।

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम में वापसी

सेरेना विलियम्स ने आखिरी बार किसी ग्रैंड स्लैम में यूएस ओपन 2022 के दौरान हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हो गया था, जहां उन्हें अजला टोम्लजानोविच के खिलाफ तीन सेटों तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से उन्होंने किसी भी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। अब विंबलडन 2026 के जरिए सेरेना एक बार फिर सबसे बड़े मंच पर वापसी करने जा रही हैं। उनकी वापसी ने टेनिस प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

वीनस-सेरेना की जोड़ी पर रहेंगी नजरें

वीनस और सेरेना विलियम्स महिला टेनिस इतिहास की सबसे सफल जोड़ियों में से एक रही हैं। दोनों बहनों ने साथ मिलकर कई ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीते हैं और ओलंपिक स्वर्ण पदक भी अपने नाम किए हैं। लंबे समय बाद दोनों को एक बार फिर विंबलडन के कोर्ट पर साथ खेलते देखना प्रशंसकों के लिए खास मौका होगा।

विंबलडन महिला युगल वाइल्ड कार्ड जोड़ियां

- केटी बोल्टर / हीदर वॉटसन (ब्रिटेन)
- मेडेलीन ब्रूक्स / अमेलिया राजेकी (ब्रिटेन)
- जोडी बरेज / मिका स्टोजसाव्लजेविक (ब्रिटेन)
- फ्रेया क्रिस्टी / ईडन सिल्वा (ब्रिटेन)
- हैरियट डार्ट / माया लुम्सडेन (ब्रिटेन)
- एलिसिया डुडने / मिमी शू (ब्रिटेन)
- सेरेना विलियम्स / वीनस विलियम्स (अमेरिका)

हाल ही में की थी प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी

सेरेना ने हाल ही में क्वींस क्लब चैंपियनशिप में वापसी की थी। उन्होंने कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ युगल मुकाबले में जीत हासिल कर शानदार शुरुआत की थी। उनकी जोड़ी ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकी क्योंकि म्बोकोदौरान चोटिल हो गई थीं। इसके बावजूद सेरेना की वापसी ने यह संकेत दे दिया था कि वह एक बार फिर बड़े टूर्नामेंटों में खेलने के लिए तैयार हैं।

विंबलडन में आकर्षण का केंद्र रहेंगी बहनें

विंबलडन 2026 में कई युवा सितारों के अलावा अनुभवी खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा सेरेना और वीनस की जोड़ी को लेकर होने की उम्मीद है। टेनिस इतिहास की दो महान खिलाड़ियों की यह वापसी न सिर्फ प्रशंसकों के लिए यादगार होगी, बल्कि महिला युगल प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा को भी और रोमांचक बना देगी।

रोहित को लेकर जोंटी बोले-

उन्हें जन्म से ही कोई खास टैलेंट नहीं मिला

केपटाउन। जोंटी रोड्स का मानना है कि भले ही रोहित शर्मा को जन्म से ही कोई असाधारण टैलेंट नहीं मिला था लेकिन अपने काम करने के तरीके में निरंतरता (कंसिस्टेंसी) की वजह से उन्होंने जबरदस्त सफलता हासिल की। रोहित क्रिकेट जगत में एक बड़ा नाम हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी कप्तान के तौर पर उनका करियर शानदार रहा है। रोहित अभी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रहे हैं। रोड्स ने मुंबई इंडियंस के साथ फील्डिंग कोच के तौर पर बिताए अपने समय को याद किया, जब उन्होंने बहुत करीब से देखा था कि रोहित अपने खेल पर कैसे काम करते थे। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर के मुताबिक रोहित की खासियत यह है कि वह मुश्किल चीजों को भी आसान बना देते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पत्रकारों से हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे पास दुनिया का सबसे अच्छा काम था। मुझे रोहित शर्मा को प्रैक्टिस करते हुए देखने का मौका मिला।

पुरुषों में प्रदीप शीर्ष पर रहे

किरण ने जीती महिलाओं की 400 मीटर दौड़

सूरत। इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के 12वें चरण में हरियाणा की इंटरनेशनल रनर किरण पहल ने मंगलवार को महिलाओं की 400 मीटर दौड़ जीती। सूरत में आयोजित प्रतियोगिता में 25 वर्षीय किरण ने 53.49 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। इस सीजन किरण पहल का बेस्ट 52.89 सेकेंड रहा है, जो हाल ही में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के लुधियाना चरण में दर्ज किया गया था। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लिया था। 400 मीटर दौड़ में उनका पर्सनल बेस्ट 50.92 सेकेंड है। 48.41 सेकेंड का समय लेकर तमिलनाडु के प्रदीप एस. ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ का खिताब अपने नाम किया। हरियाणा के नवीन कुमार डागर ने लंबे समय बाद प्रतियोगिता में वापसी करते हुए पुरुषों की 3,000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ 9:09.80 सेकेंड में जीती। दिल्ली की चारू शौकीन ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ 12.29 सेकेंड में अपने नाम की।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप: आयरलैंड को हराकर इंग्लैंड ने दर्ज की दूसरी जीत

लंदन। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मेजबान इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आयरलैंड को चार विकेट से हरा दिया। पहले गेंदबाजों ने आयरलैंड को 20 ओवर में 118/9 पर रोक दिया, फिर कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट की अहम साझेदारी की बदौलत लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि जीत के बीच इंग्लैंड को अपनी कप्तान की फिटनेस को लेकर चिंता भी सताने लगी है। 119 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने शुरुआती तीन विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने पारी संभाली और 64 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

नैट 37 गेंदों में 48 रन बनाकर खेल रही थीं, लेकिन 16वें ओवर में उनकी पुरानी पिंडली (काफ) की चोट फिर उभर आई। इसके चलते उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा और मैच अधिकारियों ने उन्हें रिटायर्ड आउट घोषित किया। वह अपने अर्धशतक से सिर्फ दो रन दूर रह गईं। मैच के बाद नैट ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगली बार वह उन दो रनों का इंतजार जरूर करेंगी।

हीदर नाइट ने दिया फिटनेस अपडेट

मैच के बाद हीदर नाइट ने बताया कि नैट को उसी काफ में हल्का खिंचाव महसूस हुआ, जिसमें पहले भी चोट लगी थी। उन्होंने कहा, 'उन्हें एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर भेजा गया। अगले कुछ दिनों में उनकी जांच होगी और उम्मीद है कि वह जल्द फिट हो जाएंगी।'

क्या स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलेंगी नैट?

इंग्लैंड का अगला मुकाबला 20 जून को स्कॉटलैंड से है। नैट की फिटनेस को देखते हुए इस मैच में उनका खेलना फिलहाल तय नहीं माना जा रहा है। यदि वह उपलब्ध नहीं होती हैं तो चार्ली डीन टीम की कप्तानी संभाल सकती हैं। हालांकि इंग्लैंड चाहेगा कि 24 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबले तक उनकी कप्तान पूरी तरह फिट हो जाएं।

गेंदबाजों ने आयरलैंड को किया बेबस

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत शानदार रही। लिन्सी स्मिथ ने पहले ही ओवर में एमी हंटर को आउट किया, जबकि लॉरिन बेल ने कप्तान गैबी लुईस को गोल्डन डक पर चलता किया। आयरलैंड की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 10वें ओवर तक 57 रन पर पांच विकेट खो चुकी थी। आखिर में लुईस लिटल ने 15 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाकर टीम को 118/9 तक पहुंचाया।

नैट की पारी ने दिलाई जीत

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने पांच ओवर के भीतर दोनों ओपनरों एमी जोन्स और डैनी वायट-हॉज के विकेट गंवा दिए। एलिस कैप्सी भी सस्ते में आउट हो गईं और स्कोर 35/3 हो गया। इसके बाद नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने पारी संभाली। हीदर ने 23 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि नैट ने 48 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उनके रिटायर्ड आउट होने के बाद कुछ और विकेट गिरे, लेकिन चार्ली डीन और डेनिएल गिब्सन ने 18वें ओवर में इंग्लैंड को जीत दिला दी। इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप-बी में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

मंडे की सुबह काम की झंझट आप को कर देती है उदास

5 टिप्स करेंगी मदद

वीकंड के बाद मंडे की शुरुआत हम सभी के लिए मुश्किल होती है। अक्सर लोग एक उदास मन से मंडे की शुरुआत करते हैं। पर जरूरी यह है कि आप खुश होकर अपने मंडे की शुरुआत करें। इससे मंडे ही नहीं पूरा हफ्ता भी अच्छा गुजरेगा।

सोमवार की सुबह से, हर किसी को डर लगता है। कोई भी नहीं चाहता कि सुनहरे और आरामदेह वीकंड के बाद सोमवार आए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका पेशा क्या है या किस जॉब में है, सोमवार आने का डर हर किसी को रविवार शाम से ही परेशान करता है। कुछ लोग इससे कम परेशान होते हैं तो कुछ लोग ज्यादा। ये वैसा ही है, जैसे लंबी छुट्टी के बाद स्कूल जाना। इसमें हर किसा को ऐसा फील होता है, मानों जैसे अभी तो शुक्रवार को आप एक सप्ताह के अंत का जश्न मना रहे थे। अब पलक झपकाते ही सोमवार की कामकाजी सुबह आ गई। जैसे सुबह सात बजे का अलार्म बजा और सोमवार फिर से वापस आ गया। ऐसे में आपको सोमवार की उदासी से बचना है और एक नए वीक की फ्रेश शुरुआत करनी है, तो आप इन 5 तरीकों को अपना सकते हैं।

नाश्ते में कुछ खास बनाएं

मां जैसे अपने बच्चे को उसके मनपंसद नाश्ते का लालच देती है, वैसे ही हमें मंडे मॉर्निंग खुद को एक अच्छे से नाश्ते का लालच देना चाहिए। मंडे को खासतौर पर आप अपना मनपसंद नाश्ता बनवाएं, जिसे आप खुशी से खा सके। ध्यान रखें कि यह नाश्ता हेल्दी भी हो, जो आपको इर्निजेटिक और लाइट फील कराए।

अच्छे से तैयार होकर ऑफिस जाएं

मंडे सुबह अगर आपको दबी-कुचली, मुचड़ी हुई जींस और बिना प्रेस की हुई टी-शर्ट पहनने को मिले, तो आपका पूरा मूड ऑफ हो जाएगा। ऐसे में अपनी ड्रेसिंग स्टाइल को नया लुक देने का प्रयास करें। अपने पसंदीदा ड्रेस, अपने आरामदायक जूते और पसंदीदा लिपस्टिक को बाहर निकालें और पूरे मन से तैयार होकर ऑफिस निकलें। ऐसा हमें इसलिए भी करना चाहिए क्योंकि जब आप अच्छे कपड़े पहनते हैं, तो आप बेहतर महसूस करते हैं। इस तरह आप खुद को तो पसंद आने के साथ ही दूसरों को भी अच्छे लगते हैं।

सोच बदलें और सकारात्मक सोचें

ऑफिस के बारे में आपके बोरिंग थोट्स हैं, तो आपके लिए कोई भी मंडे दुखदायी ही होगा। ऐसे में अपने मन को बदलिए। सोचिए कि ऑफिस जाकर कितना मजा आएगा। वहां आपके दोस्त होंगे। ऐसा सोचने के लिए जरूरी यह भी है कि आपको आपके काम से प्यार हो। ऑफिस में आपके रिश्ते सबके साथ अच्छे हों क्योंकि अगर ऐसा नहीं है, तो आप मानसिक रूप से काफी परेशान रहेंगे। ऑफिस को लेकर सकारात्मक सोच इसलिए भी जरूरी है कि आप वहां दिन के लगभग 8 से 9 घंटे यहीं बिताते हैं। इस वजह से अगर ऑफिस में खुश रहते हैं, तो आपका काम भी अच्छा होगा। साथ ही आपको किसी मंडे मॉर्निंग का डर नहीं सताएगा और इस तरह आपका पूरा सप्ताह भी अच्छा बीतेगा।

अपने आप को हमेशा बताएं कि आपको आपके जॉब से प्यार है

किसी भी काम को करने से पहले उसके प्रति हमारे मन में प्यार होना बेहद जरूरी है। आप किसी काम को क्यों करते हैं और आप उसे कितना पसंद करते हैं, यह एक बेहद जरूरी चीज है। आपके काम के प्रति आप कितने मोटिवेटेड हैं, यह बात आपकी सफलता और खुशी का एक बड़ा कारण हो सकती है। आप उस काम में उतने ही कामियाब होंगे, जितने मन से आप उस काम को शुरू करेंगे। तो मंडे मॉर्निंग से घबराइए नहीं और अपने काम को अपना पैशन बनाइए। अगर ऐसा नहीं है तो कम से कम ये कोशिश करिए कि आप जो करेंगे, जब तक करेंगे, पूरे दिल से करेंगे।

ऑफिस में अपनी डेस्क को सजा कर रखें

सजावट, साफ- सफाई और खूबसूरती सिर्फ आंखों को ही सुकून नहीं देती बल्कि हमारा मन भी लगाए रखती है। यह आपके मन पर अच्छा प्रभाव डालती है। इसलिए हो सके तो ऑफिस में आप अपने डेस्क को सजा कर रखें। रंग-बिरंगी और काम की चीजों से डेस्क सजाएं। मनी प्लांट और ऐसे ही कुछ हरे भरे छोटे पौधों को भी आप अपने डेस्क पर लगा सकते हैं। इसके अलावा कुछ मोटिवेशनल थोट्स भी अपने डेस्क पर लिखकर लगाएं। यह सारी चीजें आपको खुश और मोटिवेटेड रखती हैं, जिससे आपको मंडे हो या फ्रायडे सब एक समान लगेगा।

रेसिपी

मसालेदार इडली

सामग्री

■ 4-5 इडली ■ 2 टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ आधी शिमला मिर्च ■ 1/2 कप मटर के दाने ■ 1 प्याज ■ 1/4 टीस्पून हल्दी ■ 3/4 टीस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट ■ 1 टीस्पून पाव भाजी मसाला ■ 1 टीस्पून टमैटो सॉस ■ 8-10 करी पत्ते ■ 2 टीस्पून हरा धनिया ■ नमक स्वादानुसार ■ तेल ■ 1 टीस्पून सौंफ

विधि

इडलियों के छोटे-छोटे पीसेज काट लें। अब इडली पीसेज को डीप फ्राई करें। कड़ाही में तेल गर्म कर उसमें सौंफ डालें। करी पत्ता डालने के बाद लंबा कटा हुआ प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर इसे तेल छोड़ने तक अच्छी तरह भूनें। इसमें बारीक कटे हुए टमाटर डालने के बाद नमक, मटर के दाने, शिमला मिर्च और बाकी मसाले डालकर फ्राइड इडली को डाल दें। प्लेट में निकालकर ऊपर से गार्निश करें।

वेजिटेबल राइस

सामग्री

■ बासमती चावल- 2 कप ■ सब्जियां ■ प्याज ■ लौकी ■ बीन्स ■ गाजर ■ गोभी ■ शिमला मिर्च)- 2 कप ■ टमाटर- 1 (बारीक कटा) ■ घी- 2 चम्मच ■ दालचीनी- 1/2 चम्मच ■ लौंग पाउडर- 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला- 1/2 चम्मच ■ हल्दी पाउडर- 1/2 चम्मच ■ धनिया पाउडर- 1/2 चम्मच ■ नमक-स्वादानुसार ■ नींबू का रस- स्वादानुसार ■ अदर-लहसुन पेस्ट- 1/2 चम्मच ■ दही- 2 चम्मच ■ जीरा और सरसों के दाने- 1 चम्मच

विधि

पैन में घी गर्म करें। अब इसमें जीरा, सरसों के दाने डालकर तड़काएं। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट के साथ दालचीनी और लौंग का पाउडर डालें। थोड़ी देर फ्राई करेंगे। अब बाकी मसाले डालें और इसके साथ ही टमाटर भी। अब सारी सब्जियां और दही को भी डाल दें और ढककर अच्छे से पकाएं। थोड़ा पक जाने के बाद इसपर पके हुए चावल की लेयर बिछाएं। अब इसे 15 मिनट तक और पकाएं। ऊपर से हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3921

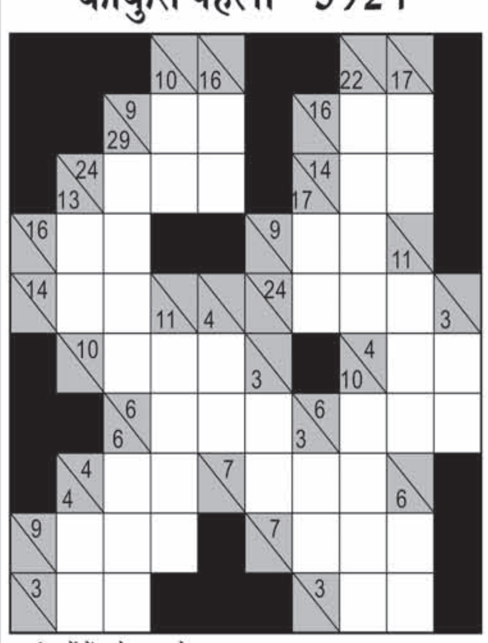

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

16/23 → 1 2 3 4 6; ↑ 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3920 का हल

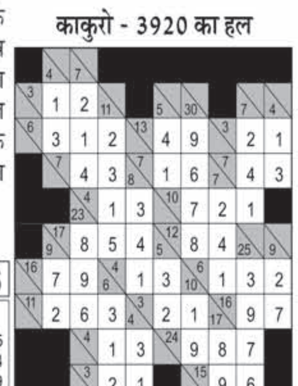

हंसी के फूव्वारें

मां: स्कूल कैसा लगा मुन्नी ?

मुन्नी: अच्छा तो लगा, पर वहां मास्टर साहब मुझसे वे ही सवाल पूछते हैं जिनका मुझे जवाब मालूम नहीं होता.

□ □ □

अध्यापक(राजेश से): गर्मियों में होने वाला कौन-सा फल खट्टा, मीठा और चटपटा होता है.

राजेश: सर, परीक्षाफल.

□ □ □

वकील: तो तुम जानते हो कि तुमने श्याम लाल के कान पर छुरा मारा था.

अभियुक्त: सरकार, कान पर तो भूल से लग गया मैं तो उसे उसके गले पर मारना चाहता था.

□ □ □

एक दोस्त: यार, इस मोटे लैंस के चश्में में तुम बिलकुल उल्लू दिखाई देते हो.

दूसरा: अगर मैं चश्मा उतार दूं तो तुम मुझे बिलकुल गधे दिखाई दोगे.

□ □ □

एक बच्चे ने अपनी मां से जाकर पूछा- आखिर तुम मुझे स्कूल क्यों भेजती हो ?

तुम जैसे नटखट बच्चों को इंसान बनाने के लिए, मां ने कहा.

बच्चा झट से बोला-लेकिन मास्टरजी तो मुर्गा बनाते हैं.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3921

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3920

सूडोकु -3921

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3920 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 3921

बाएँ से दाएँ

1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -3920 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी